राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 04 जनवरी 2025 वर्ष-7,अंक-339 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मनमोहन के घर में अखंड पाठ और भोग कार्यक्रम, सोनिया और खड़गे हुए शामिल

नई दिल्ली । पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के 7 दिन बाद उनके घर पर अखंड पाठ और भोग कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे शामिल हुए। सोनिया और खड़गे ने मनमोहन के घर पहुंचकर सबसे पहले उन्हें श्रद्धांजलि दी। फिर परिवार से मुलाकात की। इस दौरान कांग्रेस के अन्य बड़े नेता भी मौजूद थे। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का 26 दिसंबर की रात निधन हो गया था। वे 92 साल के थे। वे लंबे समय से बीमार थे। घर पर बेहोश होने के बाद उन्हें रात 8ः06 बजे दिल्ली एम्स लाया गया था।

अमेरिकी अदालत ने अडानी के खिलाफ तीन मुकदमों की एक साथ सुनवाई करने दिया आदेश

न्यूयॉर्क सिटी। न्यूयॉर्क की एक अदालत ने उद्योगपति गौतम अडानी और अन्य के खिलाफ चल रहे तीन अलग-अलग मामलों की सुनवाई को एक साथ करने का आदेश दिया है। इन मामलों में

265 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 2,029 करोड़ रुपये) की रिश्वतखोरी और निवेशकों के साथ कथित धोखाधड़ी के आरोप शामिल हैं। अदालत ने न्यायिक दक्षता और परस्पर विरोधी अनुसूचियों से बचने के लिए यह फैसला लिया है। इन मामलों में यूएस बनाम अडानी व अन्य (आपराधिक मामला), एसईसी बनाम अडानी व अन्य (दीवानी मामला), और एसईसी बनाम कैबनेस (अन्य आरोपियों के खिलाफ दीवानी मामला) शामिल हैं। अब सभी मामलों की सुनवाई जिला न्यायाधीश निकोलस जी गरौफिस करेंगे, जो पहले से ही अडानी के खिलाफ आपराधिक मामले की सुनवाई कर रहे हैं। अदालत ने कर्मचारियों को मामलों का पुनः आवंटन करने के निर्देश दिए हैं। इन मामलों की संयुक्त सुनवाई से अडानी समूह के लिए कानूनी चुनौतियां बढ़ सकती हैं। इस प्रक्रिया में अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) और अभियोजन पक्ष के तर्कों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

भारत और बांग्लादेश 5 जनवरी को करेंगे 185 मछुआरों का आदान-प्रदान

नई दिल्ली। भारत और बांग्लादेश रविवार, पांच जनवरी को कुल 185 मछुआरों का आदान-प्रदान करेंगे। इनमें बांग्लादेश द्वारा भारत के पकड़े गए 95 मछुआरों को भारतीय तटरक्षकबल को सौंपा जाएगा और वहीं, भारत की तरफ से 90 बांग्लादेशी मछुआरे बांग्लादेश को सौंपे जाएंगे। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि दोनों देशों से यह मछुआरे बीते कुछ महीनों के दौरान अकारण ही अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा पार कर एक-दूसरे के देशों में पहुंच गए थे। जिसके बाद संबंधित प्रशासन द्वारा इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। अब 5 जनवरी को इनकी रिहाई के साथ इन सभी की स्वदेश वापसी होगी। भारत और बांग्लादेश समान रूप से मछली पकड़ने वाले समुदाय की आजीविका से जुड़ी चिंताओं को लेकर सजग हैं। इसी के तहत इनकी रिहाई सुनिश्चित की जा रही है। भारत सरकार अपने देश के मछुआरों की सुरक्षा और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है।

चिन्मय कृष्ण दास की जमानत यात्रा पर ज़ोर

- चिन्मय दास को झूठे केस में फंसाने का लगाया जा रहा है आरोप

नई दिल्ली । बांग्लादेशी अदालत द्वारा इस्कॉन के हिंदू पुजारी चिन्मय कृष्ण दास की जमानत याचिका खारिज करने के पीछे अब भारत सरकार और विश्व हिंदू परिषद बढ़ रहे हैं। इस मामले में चिन्मय कृष्ण दास को झूठे केस में फंसाने का आरोप लगाया जा रहा है और उनकी रिहाई की मांग हो रही है। विश्व हिंदू परिषद के प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा कि इस मामले में सिर्फ चिन्मय दास को बचाने की बात नहीं, बल्कि पूरे बांग्लादेश को बचाने की बात है। उन्होंने दिल्ली सरकार और विदेश मंत्रालय से मदद मांगी है और इस मुद्दे पर दबाव बनाने की कोशिश की है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा भारत के सीमावर्ती क्षेत्र में घुसपैठियों के बारे में जारी बयान पर बड़ी चर्चा हो रही है। उन्होंने दी गई बयानबाजी को विवाद का मुद्दा बना दिया है। इस नजरिए से, चिन्मय कृष्ण दास की जमानत याचिका खारिज होने के बाद इस मामले में अब भारत द्वारा भविष्य में क्या कदम उठाए जाएं, इसे देखना महत्वपूर्ण होगा। विश्व हिंदू परिषद की योजना के बारे में सरकार की रुचि और ममता बनर्जी के बयान पर चर्चा के बाद नागरिकों की उम्मीदें उधारने लगी हैं।

घने कोहरे ने रोकी दिल्ली की रफ्तार.....ट्रेन, हवाई जहाज की गति हुई धीमी

मौसम विभाग ने 4 और 5 जनवरी बारिश का जताया अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली और उसके आसपास का क्षेत्र इनदिनों घने कोहरे में लिपटा हुआ हैं। 3 जनवरी, 2025 को दिल्ली में सीजन का सबसे घना कोहरा देखने को मिला, इस कारण ट्रेनों की रफ्तार धीमी हो गई है, सड़कों पर विजिबिलिटी बहुत कम हो गई है और फ्लाइट्स पर भी असर पड़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है और आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ने की संभावना है। दिल्ली और एनसीआर में शुक्रवार सुबह घना कोहरा देखने को मिला। घने कोहरे के कारण सड़कों, पेड़-पौधों और गाड़ियों की विजिबिलिटी बेहद कम हुई है। सुबह के 9 बजे ऐसी स्थिति थी कि लोग गाड़ी चलाने के लिए इमरजेंसी लाइट्स का इस्तेमाल कर रहे थे। दिल्ली के अधिकांश हिस्सों में कोहरा इतना घना था कि सड़क के मोड़ और आने-जाने वाली गाड़ियों को पहचानना भी मुश्किल हो रहा था। खासकर हाईवे और प्रमुख सड़कें पूरी तरह से कोहरे से ढकी हुई थीं। रिहायशी इलाकों में कुछ हद तक राहत थी, लेकिन मुख्य मार्गों पर स्थिति बहुत बेकार थी। कोहरे के कारण वाहन चालकों को अपनी गति कम करनी पड़ी और सड़क पर चलने में भी कठिनाई हुई। यही नहीं, सड़कों पर सुरक्षित गाड़ी चलाने के लिए वाहन चालकों को विशेष ध्यान रखने की सलाह दी जा रही है। घने कोहरे का असर रेल यातायात पर भी पड़ा है। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, दिल्ली आने वाली 24 ट्रेनें देरी से चल रही हैं। कोहरे के कारण ट्रेनों की गति को कम किया गया है, इससे उनका समय बढ़ गया है। कई ट्रेनें अपनी निर्धारित समयसीमा से काफी देरी से चल रही हैं और यात्रियों को सफर के दौरान परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यह देखकर रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी यात्रा से पहले ट्रेन के समय और मार्ग में बदलाव के बारे में जानकारी प्राप्त कर लें। वहीं दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर भी कोहरे का असर दिखाई दिया है। एयरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक, विजिबिलिटी बेहद कम होने के कारण उड़ानों की सुरक्षा को लेकर सतर्कता बरती जा रही है। हालांकि, एयरपोर्ट ने कहा कि अभी तक सभी फ्लाइट्स अपने तय समय पर चल रही हैं। फिर भी यात्रियों को सलाह है कि वे एयरलाइन से संपर्क करके अपनी फ्लाइट के समय और स्थिति की जानकारी प्राप्त करें, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में दिल्ली में और अधिक ठंड बढ़ सकती है। विशेषकर 4 से 6 जनवरी के बीच उत्तर भारत के कई हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है, जिससे ठंड और बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली में आने वाले दिनों में पश्चिमी विक्षोभ का असर हो सकता

है। इससे बारिश और ठंड में और वृद्धि हो सकती है। वहीं, दिल्ली के आस-पास के क्षेत्रों जैसे पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में भी घना से बहुत घना कोहरा छा सकता है।

मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद में 4 से 7 जनवरी तक बर्फबारी की संभावना जाहिर की है। विशेष रूप से, 5 और 6 जनवरी को इन क्षेत्रों में भारी बर्फबारी होने की संभावना है, जिससे यातायात पर असर पड़ सकता है। हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी के कारण पर्यटकों और स्थानीय लोगों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। वहीं, उत्तर भारत के मैदानी इलाकों, विशेषकर दिल्ली और उसके आसपास के क्षेत्रों में 4 से 6 जनवरी के बीच हल्की बारिश हो सकती है, जिससे ठंड और बढ़ सकती है।

दिल्ली की रैली से पीएम मोदी का केजरीवाल पर बड़ा हमला

मैं भी शीशमहल बना सकता था, लेकिन गरीबों को पक्का घर देना मेरा सपना

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज (3 जनवरी) दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर कटाक्ष किया और कहा कि मैंने 4 करोड़ लोगों को घर देकर उनके सपनों को पूरा किया और अपने लिए कभी घर नहीं बनाया। उन्होंन तंज भरे लहजे में कहा कि चाहता तो %शीश महल% मैं भी बनवा सकता था। दिल्ली सरकार पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने और शहर के निवासियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए, पीएम ने सत्तारूढ़ पार्टी को आपदा करार दिया।

दिल्ली में झुग्गीवासियों के लिए आवास परियोजना की शुरुआत करते हुए पीएम ने कहा, 'मैं शीशमहल बना सकता था, लेकिन मेरे लिए मेरा सपना था कि मेरे देशवासियों को पक्का घर मिले।' आप पर वार करते हुए मोदी ने कहा कि उन्होंने शराब घोटाला, स्कूल घोटाला और प्रदूषण घोटाला किया है। वे खुलेआम भ्रष्टाचार में लिप्त हैं और इसे प्रचारित भी कर रहे हैं। यह दिल्ली के लिए एक आपदा है, और निवासियों ने इस आपदा के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि बीते 10 वर्षों से दिल्ली एक बड़ी आप-दा से घिरी है। अन्ना हजारे जी को सामने करके कुछ कट्टर बेईमान लोगों ने दिल्ली को आप-दा में धकेल दिया। शराब के ठेकों में घोटाला, बच्चों के स्कूल में घोटाला, गरीबों के इलाज में घोटाला, भर्तियों के नाम पर घोटाला... ये लोग दिल्ली के विकास की बात करते थे, लेकिन ये लोग आप-दा बनकर दिल्ली पर टूट पड़े हैं। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली वालों ने आप-दा के विरुद्ध जंग छेड़ दी है। दिल्ली का वोटर, दिल्ली को आप-दा से मुक्त करने की ठान चुका है। वो कह रहा है- आप-दा को नहीं सहेंगे, बदल के रहेंगे।

उन्होंने कहा कि मैं तो दिल्ली वालों को मुफ्त इलाज की सुविधा देने वाली 'आयुष्मान भारत' योजना का लाभ देना चाहता हूं। आप-दा सरकार को दिल्ली वालों से बड़ी दुश्मनी है। पूरे देश में आयुष्मान योजना लागू है, लेकिन इस योजना को आप-दा वाले यहां (दिल्ली) लागू नहीं होने दे रहे। इसका नुकसान दिल्ली वालों को उठाना पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली एक सुर में कह रही है, 'आपदा को नहीं सहेंगे, बदल कर रहेंगे'।

पीएम मोदी से मिली चादर लेकर निजामुद्दीन दरगाह पहुंचे किरेन रिजिजू, कहा- देश में बना रहे अमन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अजमेर स्थित ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह के लिए भेजी गई चादर को केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू शुक्रवार सुबह निजामुद्दीन दरगाह लेकर पहुंचे। यहां दरगाह कमेटी के लोगों ने उनका स्वागत किया।

दरगाह पर हाजिरी लगाने के बाद संसदीय कार्य मंत्री और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने मीडिया से बात की। कहा, 'पीएम मोदी ने ख्वाजा गरीब नवाज के उर्फ के लिए चादर सौंपी है और उसे ही लेकर आज हम निजामुद्दीन दरगाह आए हैं। यहां से अजमेर के लिए रवाना होंगे। मैंने दरगाह में सभी लोगों से मुलाकात की और देश के लिए दुआ भी की।'

उन्होंने आगे कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी का संदेश है कि देश में भाईचारा रहे और साथ ही देश में अमन-चैन बना रहे। यही संदेश लेकर आज हम अजमेर के लिए रवाना हो रहे हैं। देश की पुरानी परंपरा है और इसी के चलते यहां आए हैं। पीएम मोदी द्वारा भेजी गई चादर को शनिवार को अजमेर स्थित दरगाह में पेश किया जाएगा।'

भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास और सबका सम्मान' संदेश के साथ उनके द्वारा सौंपी गई चादर को लेकर आज निजामुद्दीन दरगाह आए हैं। शनिवार को इस चादर को अजमेर दरगाह पर पेश किया जाएगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'पीएम मोदी ने अजमेर दरगाह के लिए चादर भेजकर विश्व शांति की अपील की है। मुझे यकीन है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व का नेतृत्व करेगा। जिस तरह से पूरी दुनिया में कत्लेआम मचा है, लेकिन भारत अमन के रास्ते पर चलेगा। साथ ही अजमेर दरगाह पर पीएम मोदी की लंबी उम्र के लिए प्रार्थना भी की जाएगी।'

वहीं, जमाल सिद्दीकी ने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'जो लोग बहरूपिये हैं, वह कभी अजमेर शरीफ दरगाह के लिए चादर नहीं भेजेंगे। वह लोग ना तो ख्वाजा गरीब नवाज के दर पर गए हैं और ना ही कभी निजामुद्दीन दरगाह पर आए हैं। जिनका धर्म व्यापार हो, वह दूसरे की भावनाओं को क्या ही समझेंगे।'

बीजेपी युवाओं का एकलव्य जैसा अंगूठा काट उनका भविष्य कर रही खत्म

`* लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बीजेपी पर लगाए आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को बीजेपी पर देश के युवाओं के भविष्य को मिटाने का आरोप लगाया है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर लिखा- बीजेपी भारत के युवाओं का एकलव्य जैसा अंगूठा काट रही है, उनका भविष्य खत्म कर रही है। सरकारी भर्ती में विफलता बड़ा अन्याय है। पहले तो भर्ती नहीं निकलती। भर्ती निकल जाए तो परीक्षा समय पर नहीं होती। परीक्षा हो तो पेपर लीक करवा दिए जाते हैं और युवा न्याय मांगते हैं, तो उनकी आवाज को बेरहमी से कुचला जाता है। उन्होंने आगे कहा कि हाल ही में यूपी और बिहार की घटनाओं के बाद अब मध्य प्रदेश में एमपीपीएससी में हुई गड़बड़ी का विरोध कर रहे दो छात्रों को जेल में डाल दिया। वह भी तब जब सीएम ने खुद छात्रों से मुलाकात कर उनकी मांगों पर विचार करने का आश्वासन दिया था। बीजेपी सरकार ने छात्रों के भरोसे को तोड़ा है और लोकतांत्रिक प्रणाली का गला घोंटा है। छात्रों के अधिकार की लड़ाई में हम उनके साथ हैं। बीजेपी को देश के युवाओं के हक की आवाज किसी कीमत पर दबाने नहीं देंगे। इससे पहले

मध्य प्रदेश कांग्रेस ने एक्स पर एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें कुछ लोग जेल के बाहर खड़े दिखाई दे रहे हैं। मध्यप्रदेश कांग्रेस ने तस्वीर शेयर करते हुए लिखा कि अराजकता और अन्याय मोहन सरकार की कार्यशैली के मुख्य अंग हैं। बाबा साहब के संविधान और लोकतंत्र से इन्हें सख्त नफरत है। एमपीपीएससी की अनियमितताओं और अपनी मांगों को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन कर रहे छात्र राधे जाट और रजत को जेल भेजना मोहन सरकार के अन्याय की पराकाष्ठा है। मोहन सरकार इन पर लादे गए झूठे प्रकरण तुरंत वापस लें।

कोयंबटूर में एलपीजी टैंकर पलटा, गैस रिसाव होने पर स्कूल कराए बंद

`* मामले की गंभीरता को देखते हुए फ्लाईओवर पर यातायात भी रोका

कोयंबटूर (एजेंसी)। केरल के कोच्चि से एलपीजी गैस को लेकर गांधीपुरम की ओर लौट रहा एलपीजी टैंकर कोयंबटूर में हादसे का शिकार हो गया है। शुक्रवार सुबह टैंकर पलट गया जिससे गैस का रिसाव होने लगा। इलाके के स्कूलों को बंद करा दिया है। भारत कंपनी का टैंकर कोयंबटूर के उप्पिलीपलायम फ्लाईओवर के पास पलट गया। गैस रिसाव होने से ट्रक में सवार लोगों ने दमकल विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने पानी का छिड़काव कर स्थिति पर काबू पाने की कोशिश की। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए फ्लाईओवर पर यातायात रोक दिया है। यातायात को डायवर्ट कर दिया है। उम्मीद की जा रही है कि इस काम को पूरा होने में समय लगेगा। ऐसा माना जा रहा है कि बड़ी दुर्घटना तभी टलेगी, जब सारी गैस निकल जाएगी या पानी में मिल जाएगी। बता दें कि हादसे की सूचना मिलने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और गैस कंपनी के इंजीनियर घटनास्थल पर पहुंच गए और मामले की जांच कर रहे हैं। शुक्रवार सुबह हुई इस दुर्घटना के कारण बड़ी क्षति टल गई है, लेकिन क्रेन जैसे वाहन भी मौके पर बुलाए गए हैं। इसके अलावा दुर्घटना स्थल के 500 मीटर के दायरे में सभी स्कूलों को बंद कर दिया है। जिला कलेक्टर क्रांति कुमार पाडी ने इसकी घोषणा की है। दिसंबर 2024 में ही एक बड़े एलपीजी टैंकर हादसे ने देश को हिला दिया था। जयपुर-अजमेर हाईवे पर एक एलपीजी टैंकर में धमाका हुआ था, जिसमें 15 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। कई जिंदा जल गए थे। यह हादसा बेहद भयानक था। तब एक ट्रंक ने एलपीजी टैंकर को टक्कर मार दी थी, जिसके बाद धमाका हुआ और एक-एक कर 34 वाहन चपेट में आ गए थे।

चीन में कोरोना जैसे नए वायरस से हड़कंप ! स्वास्थ्य मंत्रालय ने लोगों को दी ये सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन में कोविड जैसे ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के फैलने की खबरों के बीच, भारतीय स्वास्थ्य एजेंसी ने कहा कि पड़ोसी देश में फैलने वाला वायरस किसी भी अन्य श्वसन वायरस की तरह है जो सर्दी का कारण बनता है, और इस पर डरने की कोई आवश्यकता नहीं है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) डॉ. अतुल गोयल ने श्वसन संक्रमण के खिलाफ नियमित सावधानी बरतने की सलाह देते हुए कहा कि चीन में फैला एचएमपीवी किसी भी अन्य श्वसन वायरस की तरह है जो सर्दी का कारण बनता है, इसलिए अलार्म की कोई आवश्यकता नहीं है। डॉ. गोयल ने कहा कि चीन में एचएमपीवी फैलने की खबरें आ रही हैं। मुझे इसके बारे में बिल्कुल स्पष्ट होने दीजिए। मेटान्यूमोवायरस किसी भी अन्य श्वसन वायरस की तरह है जो सामान्य सर्दी का कारण बनता है, और बहुत बूढ़े और बहुत युवाओं में यह फ्लू जैसे लक्षण पैदा कर सकता है। उन्होंने आगे कहा कि एजेंसी ने देश के भीतर श्वसन संबंधी प्रकोपों के आंकड़ों का विश्लेषण किया है और दिसंबर 2024 के आंकड़ों में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं देखी गई है। इससे पहले, सूत्रों ने संकेत दिया था कि भारत देश में श्वसन और मौसमी मामलों पर बारीकी से नजर रख रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के संपर्क में है।

नए साल में दुनिया का सबसे महंगा सैटेलाइट लांच करने को तैयार इसरो

`* हर 12 दिन में धरती की एक-एक इंच जमीन को स्कैन करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) नए साल में दुनिया का सबसे महंगा सैटेलाइट लांच करने को तैयार है। इस सैटेलाइट को मार्च में लांच किया जा सकता है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि सैटेलाइट को इसरो और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा मिलकर तैयार किया है। इसकी लागत 12,505 करोड़ रुपये है और ये दुनिया का अब तक का सबसे महंगा सैटेलाइट है। यह सैटेलाइट हर 12 दिन में धरती की एक-एक इंच जमीन को स्कैन करेगा। यह इकोसिस्टम में गड़बड़ी और दुनिया भर में बदल रहे मौसम का निरीक्षण करेगा। यानी इसकी मदद से धरती पर आने वाली प्राकृतिक आपदाओं का काफी हद तक पहले ही अनुमान लगाया जा सकेगा।

इस सैटेलाइट का नाम नासा इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार (एनआईएसएआर) रखा गया है। इसका वजन 2,600 किग्रा है। नासा और इसरो ने सितंबर 2014 को निसार मिशन पर सहयोग करने और लांच करने के लिए एक साझेदारी की थी। इस मिशन को साल 2024 में लांच करने का लक्ष्य रखा गया था। लेकिन कोरोना महामारी के कारण प्रोजेक्ट में देरी हुई। नासा मिशन के लिए एल -बैंड सिंथेटिक अपर्चर रडार, विज्ञान डेटा के लिए एक हाई रेट कम्युनिकेशन सबसिस्टम, जीपीएस रिसीवर, एक सॉलिड-स्टेट रिकॉर्डर और पेलोड डेटा सबसिस्टम प्रदान कर रहा है। इसी तरह इसरो इस मिशन के लिए अंतरिक्ष यान, एस -बैंड रडार, लांच वाहन और संबंधित लांच सेवाएं प्रदान कर रहा है।

इस सैटेलाइट पर 1.5 अरब डॉलर की लागत आने का अनुमान है, जो इस दुनिया का सबसे महंगा सैटेलाइट बनाता है। यह 5 से 10 मीटर के रिजॉल्यूशन पर महीने में दो से ज्यादा बार पृथ्वी की जमीन और बर्फ को उन्नत रडार इमेजिंग के जरिए मैप करेगा। यह धरती, समुद्र और बर्फ की सतह को भी मैप करेगा और छोटी से छोटी गतिविधि को भी पकड़ लेगा। वैज्ञानिकों का दावा है कि इसके जरिए सतह के नीचे होने वाली गतिविधियों की भी थाह मिल सकेगी।

इस सैटेलाइट को इसरो के जीएसएलवी-एमके 2 रॉकेट के जरिए सतीश धवन स्पेस सेंटर से लांच किया जाएगा। सैटेलाइट में एल-बैंड और एस-बैंड रडार सिस्टम लगाए गए हैं। एल -बैंड रडार छोटी सतह की हलचलों का पता लगाने में सक्षम है जबकि इसरो का एस-बैंड रडार इमेज रिजॉल्यूशन को बढ़ाने का काम करेगा। साथ ही इसमें 39 फुट का एंटीना रिफ्लेक्टर लगाया गया है, जो सोने की परत वाली जाली से बना है। यह हर समय और मौसम में रियल टाइम डेटा प्रदान कर सकेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अपनों के निशाने पर कांग्रेस पार्टी

महाराष्ट्र में कांग्रेस नीत महा विकास अघाड़ी की करारी हार होने के बाद शिवसेना (यूबीटी) ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधते हुए कहा था कि कांग्रेस ने हरियाणा में आप और समाजवादी पार्टी को सीट ना देकर गलती की थी। पार्टी के मुखपत्र सामना में भी लिखा गया कि कांग्रेस नेताओं के अति आत्मविश्वास और घमंड ने हरियाणा में हार के लिए भूमिका निभाई। पार्टी नेता संजय राउत ने तो यहां तक कह दिया कि कांग्रेस को लगने लगा था कि वह अकेले ही जीत सकती है। इसलिए किसी को भी सत्ता में भागीदार बनाना उचित नहीं समझा था।

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

कांग्रेस पार्टी इन दिनों अपने ही साथी दलों के निशाने पर है। भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों के संयुक्त इंडिया गठबंधन में शामिल विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं द्वारा कांग्रेस पार्टी से इंडिया गठबंधन का नेतृत्व वापस लेने की मांग की जा रही है। इंडिया गठबंधन में शामिल बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी खुले आम कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व पर सवाल उठा रही है। उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने प्रेस कांफ्रेंस करके कांग्रेस पार्टी को इंडिया गठबंधन के नेता पद से हटाने की मांग की हैं। ममता बनर्जी की मांग के समर्थन में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री व राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने भी अपनी सहमति जताई है। इससे इंडिया गठबंधन की स्थिति लगातार कमजोर हो रही है। जून 2023 में 26 विपक्षी दलों के साथ बना इंडिया गठबंधन अब टूट के कगार पर खड़ा है। लोकसभा चुनाव में मिली हार और उसके बाद हरियाणा व महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में हुई पराजय ने इस गठबंधन को कमजोर कर दिया है। इसी के चलते कांग्रेस के सहयोगी दल ही उसकी नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाकर अलग राह पकड़ने के संकेत दे रहे हैं। हाल ही में दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने तो कांग्रेस को इंडिया गठबंधन से बाहर निकलवाने तक की धमकी दे दी है। कांग्रेस द्वारा दिल्ली विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने की घोषणा के बाद से ही आम आदमी पार्टी कांग्रेस से खासी नाराज नजर आ रही है। पार्टी नेताओं का कहना है कि कांग्रेस जिस तरह से चुनाव लड़ रही है उससे भाजपा को लाभ मिल रहा है। कांग्रेस नेता अजय माकन व संदीप दीक्षित के बयान विपक्ष को कमजोर करने के लिए भाजपा के कहने पर दिए जा रहे हैं। समाजवादी पार्टी, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद पवार), नेशनल कांफ्रेंस तो खुलकर कांग्रेस की मुखालफत करने लगी है।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस अपनी जीत तय मानकर आम आदमी पार्टी से गठबंधन करने से इनकार कर दिया था। जिसके चलते आम आदमी पार्टी ने कई सीटों पर अकेले ही चुनाव लड़कर 1.8 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे। जबकि हरियाणा में कांग्रेस को 39.34 प्रतिशत वोट व भाजपा को 39.94 प्रतिशत वोट मिले थे। यदि हरियाणा में कांग्रेस आम आदमी पार्टी से समझौता करके चुनाव लड़ती तो निश्चय ही सरकार बन सकती थी। मगर कांग्रेस ने अवसर गवां दिया और वहां भाजपा ने आसानी से तीसरी बार पहले से भी अधिक बहुमत से सरकार बना ली। उत्तर प्रदेश विधानसभा के उपचुनाव में तो समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस के लिए एक भी सीट नहीं छोड़ी थी। जबकि लोकसभा चुनाव कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने मिलकर ही लड़ा था।

महाराष्ट्र में कांग्रेस नीत महा विकास अघाड़ी की करारी हार होने के बाद शिवसेना (यूबीटी) ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधते हुए कहा था कि कांग्रेस ने हरियाणा में आप और समाजवादी पार्टी को सीट ना देकर गलती की थी। पार्टी के मुखपत्र सामना में भी लिखा गया कि कांग्रेस नेताओं के अति आत्मविश्वास और घमंड ने हरियाणा में हार के लिए भूमिका निभाई। पार्टी नेता संजय राउत ने तो यहां तक कह दिया कि कांग्रेस को लगने लगा था कि वह अकेले ही जीत सकती है। इसलिए किसी को भी सत्ता में भागीदार बनाना उचित नहीं समझा था।

पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 99 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। कांग्रेस कुल 329 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। जिसमें से 145 सीटों पर बिना किसी गठबंधन की अकेले चुनाव लड़ी थी। जिसमें कांग्रेस 37 सीटों पर चुनाव जीती थी। कांग्रेस का बिना किसी दल से गठबंधन में जीत का रेशियो 25.52 प्रतिशत रहा था। जबकि कांग्रेस 184 सीटों पर साथी दलों से गठबंधन करके चुनाव लड़ी थी। इसमें कांग्रेस ने 62 सीट जीती थी और जीत का रेशियो 33.75 प्रतिशत रहा था। इस तरह से देखे तो कांग्रेस पार्टी को अकेले चुनाव लड़ने की बजाय गठबंधन साथियों की बदौलत बड़ी जीत हासिल हुई थी। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 13 करोड़ 67 लाख 59 हजार 64 यानी 21.29 प्रतिशत वोट मिले थे। गठबंधन करने के कारण 2019 की तुलना में 2024 में कांग्रेस को 1.91 प्रतिशत अधिक वोट मिले थे।

कांग्रेस पार्टी ने पंजाब, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, गोवा, कर्नाटक, लक्षद्वीप, मणिपुर, मेघालय, नागालैंड, उड़ीसा, तेलंगाना व पश्चिम बंगाल में अपने बूते चुनाव लड़ा था। जबकि बिहार, गुजरात हरियाणा झारखंड, केरल, महाराष्ट्र, पांडिचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश में गठबंधन करके चुनाव लड़ा था। अंडमान निकोबार दीप समूह, आंध्र प्रदेश, दादरा नगर हवेली व दमन दीव, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, लद्दाख, मध्य प्रदेश, मिजोरम, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड ऐसे प्रदेश है जहां लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुल सका था। हरियाणा विधानसभा चुनाव में हार के बाद कांग्रेस को सबसे बड़ा झटका महाराष्ट्र में लगा जहां उनकी सीटे 44 से घटकर 16 रह गई। महाराष्ट्र में कांग्रेस शिवसेना (यूबीटी) व राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के साथ महाविकास अघाड़ी बनाकर चुनाव मैदान में उतरी थी। वहां कांग्रेस सबसे अधिक 101 सीटों पर चुनाव लड़ी जिसमें महज 16 सीट ही जीत पाई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 80 लाख 20 हजार 921 वोट मिले जो कुल मतदान का 12.42 प्रतिशत थे। महाराष्ट्र में कांग्रेस की जीत का स्ट्राइक रेट 15.38 प्रतिशत ही रहा।

संसद का शीतकालीन सत्र का समापन हो चुका है। जिसमें अधिकांश समय कांग्रेस ने अदानी मुद्दे को लेकर संसद नहीं चलने दी। इससे संसद का कार्य पूरी तरह प्रभावित रहा। इसको लेकर भी कांग्रेस की सहयोगी तृणमूल कांग्रेस, सपा ने कांग्रेस को घेरते हुये आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर बहस नहीं होने देना चाहती है तथा सिर्फ अदानी मुद्दे को ही जिंदा रखे हुए हैं। यदि संसद चलती तो कई तरह के मुद्दों पर सरकार को घेरा जा सकता था।

इंडिया अलायंस में जिस तरह की खटपट वर्तमान समय में चलने लगी है वह अलायंस के लिए शुभ नहीं मानी जा सकती है। अलायंस में शामिल दल ही विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस के नेतृत्व को नकारने लगे है इससे बुरी बात कांग्रेस पार्टी के लिए और क्या हो सकती है। लोकसभा चुनाव में जिस तरह से विपक्षी पार्टियों ने एकजुट होकर इंडिया गठबंधन बनाकर केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा को कड़ी टक्कर दी थी। वही गठबंधन अब धीरे-धीरे कमजोर पड़ता जा रहा है।

आने वाले समय में दिल्ली विधानसभा के चुनाव होने हैं। वहां भाजपा चुनाव जीतने की पूरी रणनीति बनाने में जुटी हुई है। आम आदमी पार्टी चाहती है कि वह दिल्ली की सत्ता पर फिर से काबिज हो। मगर कांग्रेस का रवैया देखकर आम आदमी पार्टी भी सकते में है। पार्टी के नेता कांग्रेस को वोट कटवा के रूप में देख रहे हैं तथा खुले आम भाजपा की बी टीम के रूप में काम करने का आरोप लगा रहे हैं। कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की दो सूची जारी कर दी है। शेष सीटों पर भी जल्दी ही प्रत्याशियों के नाम घोषित करने की तैयारी चल रही है। यदि दिल्ली चुनाव में आम आदमी पार्टी पराजित हो जाती है तो इंडिया गठबंधन के ताबूत में वह आखरी कील साबित होगी।

कांग्रेस को यदि इंडिया गठबंधन को बचाना है तो अपने सहयोगी क्षेत्रीय दलों की भावनाओं को समझ कर फैसला करना होगा। तभी कांग्रेस अपने राजनीतिक वजूद को बचा पाएगी। इंडिया गठबंधन टूटने की स्थिति में कांग्रेस का भी कमजोर होना तय माना जा रहा है। क्योंकि कांग्रेस अकेले भाजपा से मुकाबला नहीं कर सकती है। गठबंधन के साथी दलों की मदद से ही कांग्रेस मजबूत हो सकेगी इस बात से कांग्रेस नेता भी अच्छे से वाकिफ है।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है।)

संपादकीय

निशाने पर मुजीब

बांग्लादेश में उग्र छात्र आंदोलन के बाद जो स्थितियां बनी हैं वे न तो इस देश के हित में हैं और न ही लोकतांत्रिक मूल्यों के पक्ष में। जनविद्रोह की स्थितियों के बीच तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के पलायन के बाद लगातार बांग्लादेश के संस्थापक बंगबंधु मुजीबुर्रहमान के खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है। जिसकी शुरुआत तब देखने को मिली, जब अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने पिछले साल 16 दिसंबर को बिजॉय दिबोश यानी विजय दिवस के मौके पर दिए गए संबोधन में युवा राष्ट्र के संस्थापक कहे जाने वाले शेख मुजीबुर रहमान का उल्लेख तक नहीं किया। उल्लेखनीय है कि यह दिवस भारत में भी विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन वर्ष 1971 में जहां भारतीय रक्षा बलों के सामने पाकिस्तान की विशाल सेना के आत्मसमर्पण की याद दिलाता है, वहीं बांग्लादेश के दमन व अत्याचार से मुक्ति का भी दिन है। इस संदर्भ में मोहम्मद यूनुस ने जहां अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के शासन को दुनिया के सबसे बुरे निरंकुश शासन के रूप में वर्णित किया, वहीं मुजीबुर्रहमान की पूरी तरह अवहेलना की। निश्चित रूप से यह देश के संस्थापक की उपेक्षा के साथ ही स्वतंत्रता आंदोलन में आहुति देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों का भी अपमान है। दरअसल, राजनीतिक दुराग्रह के चलते अंतरिम सरकार शेख हसीना के पिता की विरासत को भले ही मिटा न सके,लेकिन वो इसे कमजोर करने पर जरूर अमादा है। यहां तक कि शैक्षिक पाठ्यक्रम से भी छेड़छाड़ की जा रही है। कहा जा रहा है कि कार्यवाहक सरकार बांग्लादेश के प्राथमिक व माध्यमिक स्कूलों के पाठ्यक्रम में बताएगी कि देश को आजाद कराने में मुजीबुर्रहमान ने नहीं बल्कि जियाउर रहमान ने निर्णायक भूमिका निभाई थी। उन्होंने ही बांग्लादेश को स्वतंत्र करने की घोषणा की थी। इस तरह अराजकता व अल्पसंख्यकों पर हमलों के बीच नये विमर्श गढ़ने की कोशिश की जा रही है। दरअसल, अंतरिम सरकार और कट्टरपंथी तत्व जनाक्रोश के चलते अपनी सुविधा का मुहावरा गढ़ने का प्रयास कर रहे हैं। निश्चित रूप से बांग्लादेश मुक्ति अभियान के दौरान जियाउर रहमान एक सम्मानित सैन्य अधिकारी थे। बताया जा रहा है कि उन्होंने 1971 के युद्ध में विशिष्टता के साथ सेवाएं दी थी। वे कालांतर बांग्लादेश के राष्ट्रपति भी बने थे। अपदस्थ सरकार के कर्ताधर्ता दलीलें दे रहे हैं कि उनके योगदान को राष्ट्र द्वारा उचित रूप से सम्मान देना चाहिए। लेकिन हकीकत यह भी है कि इसके जरिये मुजीबुर्रहमान के योगदान को कम करने की कोशिशें भी की जा रही हैं। जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार करना अनुचित ही होगा। दरअसल, यह सिर्फ सत्ता के केंद्र में आए व्यक्तियों की बयानबाजी तक ही सीमित नहीं है बल्कि बांग्लादेश में मुजीब के चित्र वाले नोटों को भी चरणबद्ध तरीके से बंद करने की कुत्सित कोशिशें की जा रही हैं। निश्चित रूप से गलत दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है। इसमें दो राय नहीं कि तमाम निर्णय कहीं न कहीं राजनीतिक दुराग्रहों से प्रेरित हैं। इसके बावजूद कि बांग्लादेश में कार्यवाहक सरकार खुद को बार-बार अराजनीतिक कहने से नहीं चूकती। यहां उल्लेखनीय है कि जियाउर रहमान की विधवा और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया, फिलहाल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी की प्रमुख हैं। जिसके साथ कार्यवाहक सरकार के मधुर रिश्ते हैं। वहीं सत्ता हासिल करने को बेताब बीएनपी चुनाव में हो रही देरी से भी बेचैन हो रही है।

संघर्ष जीवन का मूल मंत्र है

(लेखक- किशन सनमुखदास भावनानी)

मानव जीवन में संघर्ष, मेंहनत, कौशलता यह तीन अस्त्र ऐसे हैं जो जीवन की सफ़लता के मूल मंत्र हैं इन तीन मंत्रों के बलपर हर मानव अपने जीवन रूपी गाड़ी को मंजिल तक पहुंचाने में कामयाब रहता है! क्योंकि आज के युग में सफ़लता प्राप्त करने के लिए संघर्ष की सीढ़ी पर चढ़ना होता है, हालांकि हो सकता है इस सीढ़ी से हम कई बार फिस्लें भी, परंतु यदि सफ़लता पाने का ज़ज्बा और जांबाज़ी है तो हमें, फिसलकर फिर उठ खड़ा होकर सफलता की सीढ़ी पर चढ़ना होगा। इसे ही संघर्ष का नाम दिया गया है इससे हम ज़रूर सफ़लता की इस सीढ़ी के अंतिम पहिए तक पहुंचकर अपना,अपने कुल का और भारत का नाम रोशन करने में कामयाब होंगे।

साथियों बात अगर हम चींटी से मेहनत, बगुले से तरकीब और मकड़ी से कारीगरी सीखने की करें तो, नन्हीं सी चींटी महीने भर मेहनत करती है और और साल भर आराम और निश्चिंतता से अपना जीवन जीती है। बिना मेहनत के जीवन खुशहाल और निश्चिंत नहीं बन सकता ये उस नन्हीं सी चींटी के जीवन की सीख है। वैसे तो बगुले को उसके ढोंग के लिए ही जाना जाता है मगर बगुले का वह ढोंग भी मनुष्य को एक बहुत बड़ी सीख दे जाता है। रास्ते बदलो पर लक्ष्य नहीं बदलो। कभी-कभी बहुत मेहनत के बाद भी कार्य सिद्ध नहीं हो पाता मगर वही कार्य कम मेहनत में भी सिद्ध हो सकता है, बस आपके पास उसकी तरकीब अथवा तरीका होना चाहिए। संसार में हर जीव अपने आवास और भोजन की व्यवस्था अपने ही तरीके से करता है लेकिन मकड़ियों द्वारा उनका जाल बनाना काफी रोचक और बेहद कठिन है उनसे इन इस कठिन परिस्थितियों में सफलता पाने का गुण सीखना है।

साथियों बात अगर हम संघर्ष ने मेहनत की करें तो हमारे बड़े बुजुर्गों ने हमें बार-बार समझाया है कि देखो,यह चीटी कितनी बार दीवार पर चढ़ते हुए बार-बार गिरती है परंतु फिर उठ खड़ी होकर चढ़ती है, इससे सीखो!वाह! क्या बात है, इतनी बड़ी विशाल मानव काया के सामने चींटी का उदाहरण, संघर्ष और मेहनत के रूप में मानव के सामने सदियों से आता रहा है,जिससे हमें यह सीख मिलत है कि मानव से हजारों गुना छोटे जीव को भी निग्लेक्ट नहीं कर उससे सीखने, प्रेरणा लेने की सोच का भाव हृदय में रखना है, यही भाव आगे चलकर मानव को महामानव के रूप में परिवर्तित करता है। साथियों बात अगर हम अपने जीवन में संघर्ष की करें तो, नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है, चढ़ती दीवारों पर, सौ बार फिसलती है। मन का विश्वास रगों में साहस भरता है, चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना नहीं अखरता है। आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती, कोशिश करने वालों की हार नहीं होती। जीवन संघर्ष का दूसरा नाम हैं।एक बात हमेशा याद रखिए, अपनी मंजिल का आधा रास्ता तय करने के बाद पीछे ना देखे बल्कि पूरे जुनून और विश्वास के साथ बाकी की आधी दूरी तय करे, बीच रास्ते से लौटने का कोई फायदा नहीं क्योंकि लौटने पर आपको उतनी ही दूरी तय करनी पड़ेगी जितनी दूरी तय करने पर आप लक्ष्य तक पहुँच सकते है। साथियों संघर्ष जीवन के उतार-चढ़ाव का अनुभव कराता है, अच्छे-बुरे का ज्ञान करवाता हैं, सतत सक्रिय रहना सिखाता है, समय की कीमत सिखाता है जिससे प्रेरित होकर हम सशक्तिकरण के साथ फिर से अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित होते है और जीवन जीने के सही तरीके को सीखते हैं। आगे बढ़कर भी अगर सफलता ना मिल पाई तो भी कोई बात नहीं कम से कम अनुभव तो नया होगा। बार-बार हार के भी हिम्मत के साथ अपने टारगेट की तरफ कदम बढ़ाना ही संघर्ष है। अपनी हर असफलता से कुछ सीखिए और निडरता के साथ संघर्ष का दामन थाम के मंजिल की ओर आगे बढ़िए।वसंघर्ष हमारे जीवन का सबसे बड़ा वरदान है और वो हमें सहनशील, संवेदनशील और देवतुल्य बनाता हैं।जब तक जीवन में संघर्ष नहीं होता तब तक जीवन जीने के अंदाज को, सच्ची खुशी को, आनंद को, सफलता को अनुभव भी नहीं कर सकते। जिस तरह बिना चोट के पत्थर भी भगवान नहीं होता। ठीक उसी तरह मनुष्य का जीवन भी संघर्ष की तपिश के बिना ना तो निखर सकता है, ना शिखर तक पहुँच सकता है और ना ही मनोवांछित सफलता पा सकता है। साथियों बात अगर हम मकड़ी से कारीगरी सीखने की करें तो यह उदाहरण भी हमें हमसे बड़े बुजुर्गों द्वारा पीढ़ियों से, दशकों से दिया जाता है कि देखो वह मकड़ी नें कैसा सुंदर आकार का जाल बनाया है, उसकी कलाकारी को देखो बस हमें आज उस मकड़ी की कला की कारीगरी को आज कौशलता का नाम देकर उसकी कारीगरी को अपने मानवीय मस्तिष्क में यह बात उतारनी है कि जब हम से हजारों गुणा छोटा जीव इतनी सुंदर कारीगरी कर सकता है तो हम क्यों नहीं, बस! यह मानवीय सोच, मानवीय बौद्धिक क्षमता के कुछ स्तरपर बंद दरवाजों को खोलने का काम करती है और यह द्वार एक बार खुला तो फिर हुनर की लंबी उपलब्धियां हमारे पास होंगी और हम अपने कुल के साथ भारत माता का नाम वैश्विक स्तरपर ऊंचा करने में कामयाब कर सकेंगे। साथियों बात अगर हम कौशलता की करें तो, वर्तमान समय में कौशलता या कारीगरी या हुनर का नाम हम बहुत अधिक सुन रहे हैं।कौशलता विकास का नाम भारत सरकार के करीब-करीब हर मंत्रालय के कार्यक्रम की सूची में है और एक अलग से कौशलता विकास मंत्रालय भी बनाया गया है कुछ हफ्तों से देशभर में हुनर हाटों का आयोजन कर, हर मानव निर्मित कलाओं, वस्तुओं और सेवाओं का प्रदर्शन कर उनका वैश्विक विस्तार करने की रणनीतिक तैयारी की जा रही है जिसका परिणाम हम विज़न 2047, विजन 5 ट्रिलियन डॉलर भारतीय अर्थव्यवस्था, नए भारत की गाथा, नया भारत सहित अनेक विज़न हमने तैयार करके उसपर तीव्रता से आगे बढ़ रहे हैं जिसका दूरगामी परिणाम हम आने वाले वर्षों में जरूर देखेंगे। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि संघर्ष जीवन का मूलमंत्र है। संघर्ष ही जीवन है। आओ चींटी से मेहनत, बगुले से तरकीब और मकड़ी से कारीगरी की प्रेरणा से सीखकर अपना जीवन सवारें तथा संघर्ष सफ़ल जीवन की कुंजी है, कल तभी अच्छा होगा जब हम उसके लिए आज़ से मेहनत करेंगे।(-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन शांतिदेवी सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र)

(चिंतन-मनन)

विनम्रता का पाठ

पंडित विद्याभूषण बहुत बड़े विद्वान थे। दूर-दूर तक उनकी चर्चा होती थी। उनके पड़ोस में एक अशिक्षित व्यक्ति रहते थे- रामसेवक। वे अत्यंत सज्जन थे और लोगों की खूब मदद किया करते थे। पंडित जी रामसेवक को ज्यादा महत्व नहीं देते थे और उनसे दूर ही रहते थे। एक दिन पंडित जी अपने घर के बाहर टहल रहे थे। तभी एक राहगीर उधर आया और मोहल्ले के एक दुकानदार से पूछने लगा-भाई यह बताओ कि पंडित विद्याभूषण जी का मकान कौन सा है। यह सुनकर पंडित जी की उत्सुकता बढ़ी। वह सोचने लगे कि आखिर यह कौन है जो उनके घर का पता पूछ रहा है। तभी दुकानदार ने उस राहगीर से कहा-मुझे तो किसी पंडित जी के बारे में नहीं मालूम। तब राहगीर ने कहा-क्या रामसेवक जी का घर जानते हो?

दुकानदार ने हंसकर कहा-अरे भाई उन्हें कौन नहीं जानता। वे बड़े भले आदमी हैं। फिर उसने हाथ दिखाकर कहा- वो रहा रामसेवक जी का घर। फिर दुकानदार ने राहगीर से सवाल किया-लेकिन आपको काम किससे है? पंडित जी से या रामसेवक जी से? राहगीर कहने लगा-भाई काम तो मुझे रामसेवक जी से है। पर उन्होंने ही बताया था कि उनका मकान पंडित विद्याभूषण जी के पास है। यह सुनकर पंडित जी ग्लानि से भर उठे। सोचने लगे कि उन्होंने हमेशा ही रामसेवक को अपने से हीन समझा और उसकी उपेक्षा की पर रामसेवक कितना विनम्र है। वह खुद बहुत प्रसिद्ध होते हुए भी उन्हें ज्यादा महत्व देता है। उसी रात पंडित जी रामसेवक के घर गए और उससे क्षमायाचना की। फिर दोनों गहरे मित्र बन गए।

विचार मंथन

फल सब्जी और खोमचे वाले छोटे कारोबारियों पर आयकर का शिकंजा

(लेखक - सनत जैन)

हाल ही में आयकर विभाग द्वारा सब्जी विक्रेताओं, स्ट्रीट फूड बेचने वालों और छोटे कारोबारियों को नोटिस जारी किए गए हैं। आयकर नोटिस ने एक नई बहस को जन्म दे दिया है। आयकर विभाग ने मोबाइल और यूपीआई जैसे डिजिटल माध्यमों के जरिए हो रहे लेन-देन को जरिया बनाकर इन छोटे-छोटे कारोबारियों को आयकर के दायरे में लाने की मुहीम शुरू कर दी है। आयकर विभाग का मानना है, जो कारोबारी सालाना 36 लाख रुपए या उससे अधिक का भुगतान यूपीआई या अन्य डिजिटल माध्यमों से प्राप्त कर रहे हैं, वे अपनी आय विवरणी दाखिल नहीं कर रहे हैं। ऐसे लोग आयकर की चोरी कर रहे हैं। आयकर विभाग ने नोटिस जारी करके छोटे-छोटे कारोबारियों से जवाब-तलब किया है। डिजिटल युग में मोबाइल भुगतान और यूपीआई के माध्यम से लेन-देन सभी को पसंद आ रहा है। 5 रूपये, 10 रूपये की खरीदी करने वाले भी मोबाइल से पेमेंट कर रहे हैं। इस तरह के पेमेंट का रिकॉर्ड सरकार के पास है। स्वाभाविक है, सरकार इस वर्ग को टैक्स के दायरे में लाने के लिए मोबाइल से जो भुगतान किया जा रहा है। अब उसको आधार बनाकर छोटे-छोटे कारोबारी को भी आयकर के दायरे में लाया जाएगा। सब्जी, स्ट्रीट फूड और छोटा-मोटा कारोबार करने वाले ना तो ज्यादा पढ़े-लिखे होते हैं। ना ही उनके पास कोई पूंजी होती है। इसका दूसरा पक्ष यह है कि संगठित क्षेत्र में आयकर विभाग जो लाखों करोड़ों रुपए का धंधा करते हैं, उनसे आयकर की वसूली करने में ढीला ढाला रवैया अपनाती है। टैक्स चोरी करने वालों की संख्या अधिक है। आर्थिक सुधार के नाम पर आयकर विभाग का यह कदम टैक्सपेयर्स की संख्या बढ़ाने और राजस्व को बढ़ाने की दिशा में सराहनीय माना जा सकता है। लेकिन सवाल उठता है, कि छोटे कारोबारी, जो अक्सर पहले से ही आर्थिक दबाव में रहते हैं, उनके काम-धंधा करने की जगह निश्चित नहीं होती है। उनके पास कोई पूंजी नहीं होती है। लेन-देन उनका ज्यादा होता है लेकिन खर्च भी उससे ज्यादा होता है। किसी तरह से वह अपना जीवन-यापन करते हैं। झुग्गी झोपड़ी में रहते हैं। यह वर्ग हमेशा कर्ज में बना रहता है। आयकर विभाग और सरकार की यह कार्यवाही असंगठित क्षेत्र में स्वरोजगार करने वालों के लिए बड़ी परेशानी पैदा करने वाली साबित होगी। भारत में न्यायोचित कर प्रणाली की आवश्यकता है। भारत में 1 जुलाई 2017 से जीएसटी लागू की गई है। इस कर के दायरे में गरीब से गरीब आदमी से भी टैक्स लिया जा रहा है।

वस्तु एवं सेवा सभी में यह टेक्स लग रहा है। 2017 में जब यह टैक्स शुरू हुआ था तब इसके दायरे में बहुत सारी वस्तुएं और सेवाएं नहीं थीं। पिछले 7 वर्षों में सरकार इसका दायरा बढ़ाती चली गई, 8, 12, 18 और 28 फ़ीसदी टैक्स गरीब और अमीर सभी से वसूल किया जा रहा है। जितना टैक्स 45 वर्षों में वसूल नहीं किया गया था उतना टैक्स अब 1 वर्ष में वसूल किया जा रहा है। हर चीज की एक हद होती है। लगता है सरकार इस हद को पार कर रही है। जिसके कारण अब लोगों का सरकार पर गुस्सा बढ़ने लगा है।

जीएसटी लागू होने के बाद आयकर को समाप्त कर देना चाहिए था, लेकिन आयकर का दायरा अब गरीबों को अपनी गिरफ्त में ले रहा है। अब सरकार के टैक्स की तीव्र आलोचना हर वर्ग से होने लगी है। सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए कि छोटे कारोबारियों के लिए टैक्स सिस्टम सरल और व्यावहारिक हो। आयकर विभाग को सुनिश्चित करना चाहिए कि संगठित और बड़े व्यापारिक घरानों जिनके पास स्थाई संपत्ति हैं। उनसे ही आयकर वसूल किया जाए। रोड पर कारोबार करने वालों को आयकर के दायरे से बाहर रखा जाए। सब्जी विक्रेताओं, फुल्की वालों और स्ट्रीट फूड विक्रेताओं पर आयकर लगाने की यह पहल किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। देश के राजस्व में जीएसटी के माध्यम से गरीब एवं मध्यम वर्ग पर पहले ही बहुत बड़ा टैक्स का बोझ डाला जा चुका है।

जीएसटी लागू होने के बाद सभी कर प्रणालियों को खत्म होना था। उसके स्थान पर छोटे व्यापारियों के लिए आयकर विभाग की यह कार्यवाही कई समस्याएं खड़ी कर सकती है। सरकार को संतुलित और न्यायसंगत दृष्टिकोण अपनाना जरूरी होगा। अन्यथा इसके बड़े घातक परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

इस साल उत्तरी मुंबई लोकसभा क्षेत्र के विकास में कई महत्वपूर्ण पहलों पर देना होगा जोरःगोयल

झुग्गी-झोपड़ियों का पुनर्विकास, सड़क और रेलवे लाइनों का विस्तार जैसी मुख्य परियोजनाएं शामिल

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि उनके लोकसभा क्षेत्र के विकास में इस साल कई महत्वपूर्ण पहलों पर काम होगा। उन्होंने झुग्गी-झोपड़ियों का पुनर्विकास, सड़क और रेलवे लाइनों का विस्तार जैसी मुख्य परियोजनाओं को लेकर मी डिया से चर्चा की। उन्होंने बयान किया कि इस साल उनके निर्वाचन क्षेत्र में कई बड़ी योजनाएं हैं, जिनमें झुग्गी-झोपड़ियों को पक्के मकान में बदलना भी शामिल है। गोयल ने बताया कि तेजी से लंबित परियोजनाओं का पुनरीक्षण करने के लिए वह मुंबई में सभी संबंधित विभागों के प्रमुखों से मिलेंगे। उन्होंने कहा कि चार जनवरी को उनके द्वारा लिए गए कदमों की समीक्षा की जाएगी और लंबित मुद्दों के लिए समयबद्ध कार्य योजना तैयार की जाएगी। मंत्री ने कहि कि हम चाहते हैं कि झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों को उसी स्थान पर पक्के मकान उपलब्ध करा सकें। हमारा लक्ष्य है जीवन को सुगम बनाने के लिए रेलवे स्टेशनों का विकास करना है। उन्होंने भी बताया कि उनके क्षेत्र में चार रेलवे स्टेशनों पर अमृत भारत स्टेशन योजना की शुरुआत होने वाली है। मंत्री ने व्यक्त किया कि उन्हें पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विचार करने का भी मौका मिला है, क्योंकि उनके क्षेत्र में संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान और खूबसूरत समुद्र है। उन्होंने आगे बढ़ते हुए कहा कि उन्हें लोगों के लिए बेहतर जीवनस्तर प्रदान करने के लिए और भी कई पहल करनी हैं।

चीन में रियल एस्टेट संकट से लड़खड़ाई दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

मुंबई । चीन तेज़ आर्थिक विकास के मामले में हमेशा आगे रहा है ले किन अब उसे गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अपने इतिहास के सबसे बड़े रियल एस्टेट के संकट से जूझ रही है। चीन के संपत्ति बाजार में पिछले तीन वर्षों में भारी गिरावट देखी गई है। 2021 से अब तक 18 ट्रिलियन डॉलर का अनुमानित घरेलू संपत्ति का नुकसान हुआ है, जो 2008-09 के वैश्विक वित्तीय संकट में अमेरिका द्वारा झेले गए नुकसानों से भी अधिक है। चीन की अर्थव्यवस्था पर वर्षों की अधिक कर्ज़दारी, अधिक निर्माण और अधिक उत्पादन क्षमता का बोझ है। ये समस्याएं घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर गंभीर परिणाम पैदा कर रही हैं। कई रियल एस्टेट कंपनियों पर भारी कर्ज़ है और संपत्तियों की मांग में कमी ने इस संकट को और बढ़ा दिया। चीन के कई हिस्सों में घोस्ट टाउन यानी खाली पड़े शहर निर्माण का उदाहरण हैं। वहीं औद्योगिक क्षेत्रों में उत्पादन क्षमता वास्तविक मांग से कहीं अधिक है, जिससे कीमतों और आर्थिक स्थिरता पर असर पड़ा है।

सोने और चांदी के भाव में तेजी

सोने का भाव 77,900 रुपए, चांदी 89,290 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली। सप्ताह के आखिरी कारोबारी ` दिन शुक्रवार को सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। यह लगातार तीसरा दिन है जब सोने-चांदी की कीमत में तेजी जारी है। 1 जनवरी से दोनों के वायदा भाव में तेजी जारी है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का भाव 0.24 फीसदी की तेजी के साथ 77,900 रुपए प्रति 10 ग्राम जबकि चांदी 0.13 फीसदी बढ़त के साथ 89,290 रुपए प्रति किलोग्राम पर है। आभूषण और खुदरा विक्रेताओं की सतत लिवाली के कारि गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 330 रुपए बढ़कर 79,720 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। बुधवार को सोना 79,390 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। गुरुवार को चांदी भी 130 रुपए बढ़कर 90,630 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 90,500 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत बुधवार को 78,840 रुपए प्रति 10 ग्राम के पिछले बंद से 330 रुपए बढ़कर 79,170 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। कारोबारियों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कीमती धातुओं की कीमतों में तेजी से सर्राफा कीमतों को समर्थन मिला।

मार्च 2024 को खत्म वित्त वर्ष में 4.67 करोड़ अतिरिक्त रोजगार सृजित हुए

मुंबई ।

मार्च 2024 को खत्म वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था में 4.67 करोड़ अतिरिक्त रोजगार सृजित हुए। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में रोजगार सृजन की रफ्तार बरकार रही। सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक सर्वेक्षण के अनुसार, अक्टूबर 2023 से सितंबर 2024 के दौरान भारत के असंगठित क्षेत्र में कुल अनुमानित रोजगार में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 10.01 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। असंगठित क्षेत्र उद्यमों के वार्षिक सर्वेक्षण से पता चलता है कि कवर किए गए व्यापक क्षेत्रों (ब्रॉड सेक्टर) में, अन्य सेवाओं (अन्य सर्विस) में प्रतिष्ठानों ने अक्टूबर 2023 और सितंबर 2024 के बीच 12 करोड़ से अधिक अतिरिक्त श्रमिकों को रोजगार दिया। यह 2022-23 से एक करोड़ से अधिक श्रमिकों की वृद्धि और मजबूत श्रम बाजार वृद्धि को दिखाता है। असंगठित गैर-कृषि क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था में रोजगार, सकल घरेलू उत्पाद और सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण योगदान देता है। यह क्षेत्र न केवल लाखों लोगों की आजीविका को बनाए रखता है, बल्कि घरेलू मूल्य श्रृंखला (डोमेस्टिक वैल्यू चेन) में अपनी भूमिका को मजबूत कर वस्तुओं और सेवाओं की सप्लाई करता है। इसी तरह, औपचारिक क्षेत्र में वृद्धि जारी रही है। यह क्षेत्र में बेहतर गुणवत्ता वाली नौकरियां प्रदान करता है। नवंबर 2024 में जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही के दौरान तीन सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में नए सदस्यों की संख्या में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में वृद्धि की है। कर्मचारी भविष्य निधि योजना में नए आवेदन, जो बड़े संगठनों और बेहतर वेतन वाले कर्मचारियों पर लागू होते हैं, पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 2024-25 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में 2.3 प्रतिशत बढ़कर 6.1 मिलियन हो गए।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया शुरुआती कारोबार में चार पैसे की गिरावट के साथ 85.79 पर बंद हुआ। विदेशी बाजार में अमेरिकी डॉलर की मजबूती और घरेलू शेयर बाजार में नरम रुख का असर घरेलू मुद्रा पर पड़ा जिससे रुपया कमजोर हुआ है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर 2024 में अधिकतर मुद्राओं के मुकाबले मजबूत रहा और इस वर्ष भी वह मजबूत स्थिति में बना रहेगा। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.77 पर खुला। फिर फिसलकर 85.78 प्रति डॉलर पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से तीन पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया गुरुवार को 11 पैसे कमजोर होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.75 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 109.19 पर रहा।

एनवीडिया बनी बीते साल सबसे ज्यादा मार्केट कैप हासिल करने वाली कंपनी

मुंबई ।

एआई चिप विनिर्माता अमेरिकी कंपनी एनवीडिया पिछले साल सबसे ज्यादा मार्केट कैप पाने वाली कंपनी बनी। इस दौरान कंपनी के शेयरों में 170 फीसदी तेजी रही और उसके मार्केट कैप में करीब 2 ट्रिलियन डॉलर का इजाफा हुआ। यह दुनिया के सबसे बड़े अमीर एलन मस्क की नेटवर्थ (415 अरब डॉलर) से करीब पांच गुना है। एप्पल के बाद एनवीडिया दुनिया की दूसरी बड़ी वैल्यूएबल कंपनी है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस में दुनिया की बढ़ रही दिलचस्पी और विभिन्न इंडस्ट्रीज में एआई सेंट्रिक चिप्स की बढ़ती मांग से एनवीडिया के शेयरों में भारी तेजी दिखाई दे रही है। 2023 के अंत में कंपनी की मार्केट वैल्यू 1.2 ट्रिलियन डॉलर थी जो 2024 के अंत में 3.28 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गई। 2023 में कंपनी का शेयर 240 प्रतिशत का उछला था। इस बीच एप्पल दुनिया का सबसे वैल्यूएबल कंपनी बनी रही। इसका मार्केट कैप 4 ट्रिलियन डॉलर के करीब पहुंच चुका है। कंपनी ने एआई पर फोकस किया है, इससे उसकी बिक्री में आगे तेजी आने की उम्मीद है। इसकारण कंपनी में निवेशकों की दिलचस्पी बनी हुई है। 2024 के अंत में माइक्रोसॉफ्ट 3.1 ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया की तीसरी वैल्यूबल कंपनी रही जबकि गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट इंक और अमेजॉन की वैल्यू करीब 2.3 ट्रिलियन डॉलर रही। सऊदी अरामको, फेसबुक, टेस्ला, ब्रॉडकॉम और टीएसएमसी टॉप 10 में शामिल रहीं। भारत की मोस्ट वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के लिए पिछला साल अच्छा नहीं रहा। 10 साल में पहली बार कंपनी के शेयरों ने निगेटिव रिटर्न दिया और दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनियों की लिस्ट में 68वें नंबर पर पहुंच गई थी। गुरुवार को इसमें पांच स्थान का सुधार हुआ और यह 63वें नंबर पर आ गई।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 720 , निफ्टी 183 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार बाजार में ये गिरावट मुनाफावसूली हावी होने से आई है। निवेशकों ने कंपनियों के तीसरी तिमाही के परिणामों से पहले जमकर मुनाफावसूली की जिससे भी बाजार लाल निशान पर बंद हुए। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 720.60 अंक करीब 0.90 फीसदी की गिरावट के साथ ही 79,223.11 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी निफ्टी में 183.90 अंक तकरीबन 0.76 फीसदी नीचे आकर 24,004.75 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में जोमैटो का शेयर सबसे ज्यादा टूटा। इसके साथ ही एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, सनफार्मा, आईटीसी, एलएडंटी, एचसीएल टेक, भारती एयरटेल के शेयर भी गिरावट पर बंद हुए। दूसरी ओर टाइटन और टाटा मोटर्स के शेयर लाभ में रहे। इसके अलावा हिंदुस्तान यूनिलीवर, मारुति, रिलायंस, एनटीपीसी, नेस्ले, अल्ट्रा सीमेंट, टाटा स्टील और बजाज फाइनेंस के शेयर भी बढ़त पर बंद हुए। माना जा रहा है कि वित्तीय और आईटी स्टॉक्स में बिकवाली की वजह से भी बाजार में ये गिरावट दर्ज की गयी है। निवेशल सोमवार को शरू हो रहे कंपनियों के दिसंबर तिमाही के नतीजों से पहले सतर्क रुख अपना रहे हैं। इसके अलावा एशियाई और अमेरिकी स्टॉक मार्केट में गिरावट से भी घरेलू बाजारों पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। जानकारों के अनुसार अगले सप्ताह से शुरू हो रहे भारतीय कंपनियों के दिसंबर तिमाही के परिणामों से तय होगा कि बाजार किस दिशा में बढ़ेगा।

इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त पर खुलने के कुछ समय बाद ही फिसल गया। बाजार के प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी कुछ समय बाद ही लाल निशान में आ गये। निवेशकों की नजर अब अगले हफ्ते से शुरू हो रहे कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजे और अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की संभावनाओं पर टिकी हुई है। सुबह की शुरुआत में सेंसेक्स 364.96 अंक की गिरावट लेकर 79,578.75 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टीभी मामूली बढ़त लेकर खुला पर खुलते ही गिरावट में चला गया। एशिआई बाजारों में शुक्रवार को मिलाजुला असर देखने को मिल रहा है। जापान का निक्की इंडेक्स और चीन का शंघाई कंपोजिट गिरावट में कारोबार कर रहे थे जबकि हांगकांग का हैंगसेंग इंडेक्स हरे निशान में कारोबार कर रहा था। अमेरिकी शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट में बंद हुए जबकि यूरोपीय बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे।

वेंचुरा ने ब्लैक बॉक्स लिमिटेड को दी खरीद रेटिंग, जताई 27.3 प्रतिशत वृद्धि की संभावना

मुंबई।

ब्रोकरेज हाउस वेंचुरा की गुरुवार को आई रिपोर्ट के अनुसार, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी ब्लैक बॉक्स के शेयर में अगले 24 से 30 महीनों में मौजूदा कीमत 649 रुपये से 826 रुपये तक 27.3 प्रतिशत की वृद्धि की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 24 में बिक्री वृद्धि में मंदी व परियोजना निष्पादन और निर्णय लेने में देरी के बावजूद ब्लैक बॉक्स अपने अगले विकास चरण के लिए तैयार है। कंपनी को उम्मीद है कि इसकी पाइपलाइन बढ़कर तीन बिलियन डॉलर हो जाएगी और इसका लक्ष्य मौजूदा 20 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 25 प्रतिशत की रूपांतरण दर हासिल करना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्लैक बॉक्स ने शीर्ष 300 ग्राहकों पर ध्यान केंद्रित करके और कम लाभदायक लॉन्ग-टेल ग्राहकों से बाहर निकलकर अपनी रणनीति में बदलाव किया है, क्योंकि वे मार्जिन वृद्धि में योगदान नहीं देते हैं। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने उद्योग वर्टिकल और उत्पाद पोर्टफोलियो क्षैतिज को शामिल करते हुए मैट्रिक्स-आधारित दृष्टिकोण को अपनाकर अपनी गो-टू-मार्केट रणनीति को नवीनीकृत करने की योजना बनाई है। यह रणनीति उद्योग-विशिष्ट समाधान प्रदान करने और ग्राहक जुड़ाव को बढ़ाने के लिए डिजाइन की गई है। वेंचुरा ने कहा, ÷हमें उम्मीद है कि हमारा राजस्व वित्त वर्ष 24 में 6,281.6 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 27 ई तक 7,996 करोड़ रुपये हो जाएगा। कंपनी मुख्य रूप से उत्तरी अमेरिका और भारत में डेटा केंद्रों पर ध्यान केंद्रित करने की योजना बना रही है। मेटा, अमेजॉन और माइक्रोसॉफ्ट जैसे प्रमुख हाइपरस्केलर्स वाले ग्राहक आधार के साथ, जिनसे डेटा सेंटर बिल्डआउट में महत्वपूर्ण रूप से निवेश करने की उम्मीद है, डेटा सेंटर से राजस्व में योगदान अनुपातहीन रूप से उच्च होने का अनुमान है, जो वित्त वर्ष 27 ई तक 1,256 करोड़ रुपये से बढ़कर 15 प्रतिशत की सीएजीआर पर 1,994 करोड़ रुपये हो जाएगा। इस बीच, प्रौद्योगिकी उत्पाद समाधान (टीपीएस) वर्टिकल वर्तमान में कुल राजस्व में 12 से 13 प्रतिशत के बीच योगदान देता है और उम्मीद है कि इसमें तेजी आएगी। राजस्व के 9 प्रतिशत सीएजीआर से बढ़कर वित्त वर्ष 27ई तक 758 करोड़ रुपये से 982 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। इसके अतिरिक्त, परामर्श व्यवसाय से भी समग्र विकास प्रक्षेपवक्र को पूरक बनाने की उम्मीद है, जो वित्त वर्ष 27ई तक 2 प्रतिशत सीएजीआर से 106 करोड़ रुपये से बढ़कर 112 करोड़ रुपये हो जाएगा।

भारत का कार्यालय बाजार 2024 में रिकॉर्ड ऊंचाइयों परः रिपोर्ट

शीर्ष आठ शहरों में सकल कार्यालय स्थल की मांग 19 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली । भारत का कार्यालय बाजार 2024 में रिकॉर्ड ऊंचाइयों को छू गया है। पिछले वर्ष की तुलना में कार्यालय स्थल की पट्टा मांग में 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे कार्यालय स्पेस की मांग ने विस्तार किया। रियल एस्टेट परामर्शदाताओं के अनुसार कुशमैन एंड वेकफील्ड की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में कार्यालय स्थल की सकल मांग 2023 में 745.6 लाख वर्ग फुट थी जो 2024 में 885.2 लाख वर्ग फुट पर पहुंच गई है। भारत, दक्षिण पूर्व एशिया और एपीएसी (एशियाई एकीकरण) के टेनेंट रिप्रेसेंटेशन के एक मुख्य कार्यकारी ने इसे निर्णायक वर्ष बताया है। बाजार में भारी वृद्धि दर्ज की गई है, जैसे बेंगलुरु में मांग 64 प्रतिशत बढ़कर 259.3 लाख वर्ग फुट, मुंबई में 27 प्रतिशत बढ़कर 178.4 लाख वर्ग फुट, हैदराबाद में 37 प्रतिशत बढ़कर 123.1 लाख वर्गफुट और अहमदाबाद में 11 प्रतिशत बढ़कर 18.1 लाख वर्ग फुट मांग दर्ज की गई है। हालांकि, दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), चेन्नई और पुणे में कार्यालय की मांग में कुछ गिरावट दर्ज की गई है, जबकि कोलकाता का बाजार स्थिर रहा है। इस जानकारी से स्पष्ट है कि भारतीय कार्यालय बाजार 2024 में काफी सक्रिय रहा है और स्थिर हमलों की प्रेरक राजनीति का पाठ्य है।

रियलमी ने भारतीय ई-स्पोर्ट्स परिदृश्य में क्रांति लाने के लिए क्राफ्टन इंडिया के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली।

भारत के गेमिंग उद्योग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसने देश को वैश्विक गेमिंग परिदृश्य में एक प्रमुख शक्ति में बदल दिया है। 2028 तक, एशिया प्रशांत क्षेत्र में गेमिंग राजस्व में 181.8 बिलियन डॉलर उत्पन्न होने का अनुमान है, जो वैश्विक बाजार का 54.4 प्रतिशत है। इस क्षेत्र के भीतर, भारत का ऑनलाइन गेमिंग बाजार 2028 तक 66,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है, जो 14.5 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ रहा है। इस वृद्धि में कई कारक योगदान करते हैं, जिसमें भारत की युवा जनसांख्यिकी शामिल है। इसमें लगभग 600 मिलियन लोग 35 वर्ष से कम आयु के हैं। दुनिया के कुछ सबसे किफायती मोबाइल डेटा कीमतों और 650 मिलियन से अधिक स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं के साथ, भारत ने विशेष रूप से गेमिंग में डिजिटल मनोरंजन उपभोग की एक मजबूत संस्कृति विकसित की है। उद्योग की वृद्धि विशेष रूप से दो प्रमुख क्षेत्रों में स्पष्ट है। रियल-मनी गेमिंग (आरएमजी) बाजार ने कौशल-आधारित खेलों के माध्यम से महत्वपूर्ण गति प्राप्त की है, जबकि सामाजिक और आकस्मिक गेमिंग क्षेत्र युवा वयस्कों और कामकाजी पेशेवरों के बीच अपनी पहुंच का विस्तार करना जारी रखता है। ऐप-आधारित गेमिंग में यह उछाल मनोरंजन वरीयताओं में व्यापक बदलावों को दर्शाता है, जो स्मार्टफोन अपनाने और बेहतर इंटरनेट कनेक्टिविटी के बढ़ने से प्रेरित है। भारत के बढ़ते गेमिंग बाजार में और अधिक लाभ उठाने के लिए रियलमी ने बैटलग्राउंड्स मोबाइल इंडिया सीरिज (बीजीआईएस) 2025 और बैटलग्राउंड्स मोबाइल प्रो सीरिज (बीएमपीएस) 2025 के लिए आधिकारिक स्मार्टफोन भागीदार के रूप में केआरएएफटीओएन इंडिया के साथ हाथ मिलाया है। 2025 को अपने पहले समर्पित गेमिंग वर्ष के रूप में चिह्नित करते हुए, रियलमी ने ई-स्पोर्ट्स को मुख्य रणनीतिक फोकस के रूप में स्थान दिया है। यह रणनीतिक सहयोग एक महत्वपूर्ण समय पर आता है, क्योंकि भारत में 2028 तक 720 मिलियन मोबाइल गेमर्स तक पहुंचने का अनुमान है। यह साझेदारी कोलकाता में बीजीआईएस 2025 एलएएन फ़ाइनल के साथ शुरू होगी, जिसमें 2 करोड़ रुपये का पर्याप्त पुरस्कार पूल होगा, जो प्रतिस्पर्धी गेमिंग में निवेश के पैमाने को प्रदर्शित करता है।

अप्रैल-दिसंबर में निजी, वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन 34 फीसदी बढ़ा

- एक साल पहले नौ करोड़ 76.65 लाख टन का हुआ था

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर में निजी उपयोग वाली (कैप्टिव) और वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन 34.2 प्रतिशत बढ़कर 13 करोड़ 10.5 लाख टन हो गया। एक साल पहले की समान अवधि में निजी उपयोग वाली और वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन नौ करोड़ 76.65 लाख टन का हुआ था। कोयला मंत्रालय ने कहा कि दिसंबर में निजी उपयोग वाली और वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन एक करोड़ 84 लाख टन का हुआ था। सरकार द्वारा जारी आठ प्रमुख उद्योगों के सूचकांक (आधार वर्ष 2011-12) के अनुसार, कोयला क्षेत्र ने एक साल पहले 185.7 अंक की तुलना में नवंबर, 2024 में 7.5 प्रतिशत (अस्थायी) की वृद्धि के साथ 199.6 अंक दर्ज किए हैं। कोयला उद्योग का सूचकांक अप्रैल-नवंबर, 2024 के दौरान 172.9 अंक पर पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष इसी

अवधि के दौरान यह 162.5 अंक था, जो सभी आठ प्रमुख उद्योगों में 6.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

भारत का स्मार्टफोन बाजार इस साल 50 बिलियन डॉलर के पार पहुंच जाएगा : रिपोर्ट

नई दिल्ली।

एक लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, प्रीमियमाइजेशन के चल रहे ट्रेंड और लोकल मैन्युफैक्चरिंग पर जोर के कारण भारत का स्मार्टफोन बाजार 2025 तक 50 बिलियन डॉलर के पार पहुंच जाएगा। काउंटरपॉइंट के इंडिया स्मार्टफोन आउटलुक की लेटेस्ट रिसर्च के अनुसार, भारत के स्मार्टफोन बाजार का रिटेल एवरेज सेलिंग प्राइस (एएसपी) इस साल पहली बार 300 डॉलर के पार पहुंचने की उम्मीद है। एप्पल और सैमसंग प्रीमियम और अल्ट्रा-प्रीमियम सेगमेंट में प्रतिस्पर्धी विकल्प पेश कर इस बदलाव को लीड कर रहे हैं। एप्पल को अपने प्रो मॉडल की मजबूत मांग देखने की उम्मीद है, जो लोकल मैन्युफैक्चरिंग और अपने आईफोन लाइनअप में हाल ही में की गई कीमतों में कटौती के इस बीच, सैमसंग की मूल्य-केंद्रित रणनीति खास तौर पर अपनी प्रमुख एस सीरीज के साथ लोकप्रिय हो रही है। रिपोर्ट में बताया गया है कि वनप्लस अपने फ्लैगशिप वनप्लस 13 के लॉन्च के साथ अल्ट्रा-प्रीमियम सेगमेंट (45,000 रुपये से ऊपर) में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। प्रीमियमाइजेशन की ओर बदलाव की वजह यह भी है कि उपभोक्ता तेजी से ऑफलाइन स्टोर्स की ओर रुख कर रहे हैं, जहां वे खरीदारी करने से पहले प्रीमियम स्मार्टफोन का अनुभव कर सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई-पावर्ड फीचर्स में बढ़ती दिलचस्पी ने उपभोक्ताओं को इन इनोवेशन को बेहतर ढंग से समझने में मदद की है। रिपोर्ट में कहा गया है, भारतीय स्मार्टफोन बाजार तेजी से विकसित हो रहा है, जिसमें ऑरिजनल इक्विप्मेंट मैन्युफैक्चरर्स (ओईएम) ब्रांड इक्विटी को मजबूत करने, तकनीकी क्षमताओं का प्रदर्शन करने और लाभप्रदता में सुधार करने के लिए प्रीमियम लॉन्च पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। किफायती प्रीमियम श्रेणी (30,000 रुपये-45,000 रुपये) में, वीवो, ओप्पो और वनप्लस जैसे ब्रांड एडवांस कैमरा सिस्टम और रिफाइंड सीएमएफ डिजाइन पेश करके ग्राहकों को आकर्षित कर रहे हैं। लोकल मार्केट के विस्तार में वनप्लस द्वारा चरणबद्ध तरीके से 6,000 करोड़ रुपये के नियोजित निवेश से इसकी रिकवरी और विकास में तेजी आने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, देश में प्रीमियम सेगमेंट (30,000 रुपये और उससे अधिक) का बाजार हिस्सा 2025 तक 20 प्रतिशत से अधिक होने का अनुमान है।

देश की अर्थव्यवस्था में हाउसिंग सेक्टर का बढ़ेगा योगदान, छोटे शहर बन रहे नए ग्रोथ हबः रिपोर्ट

नई दिल्ली।

भारत के हाउसिंग सेक्टर का जीडीपी में योगदान बढ़कर 2025 तक 13 प्रतिशत होने की उम्मीद है। यह जानकारी शुक्रवार को एक रिपोर्ट में दी गई। जेएलएल की रिपोर्ट में बताया गया कि 2030 तक रियल एस्टेट सेक्टर बढ़कर एक ट्रिलियन डॉलर की मार्केट बन सकता है। यह सेक्टर डेमोग्राफिक शिफ्ट, पॉलिसी रिफॉर्म और ग्लोबल ट्रेंड से प्रभावित होगा। टियर 2 और 3 शहर प्रमुख विकास केंद्रों के रूप में उभर रहे हैं।जयपुर, इंदौर और कोच्चि जैसे छोटे शहरी केंद्रों का 2025 तक नए आवासों में योगदान 40 प्रतिशत होगा। शहरी घर स्वामित्व दर 2025 तक बढ़कर 72 प्रतिशत हो सकती है, जो कि 2020 में 65 प्रतिशत थी। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि मिलेनियल्स और जेन जेड खरीदारों की संख्या 2030 तक 60 प्रतिशत होने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, सस्टेनेबिलिटी को पहले एक लग्जरी माना जाता था। ग्रीन-सर्टिफाइड बिल्डिंग्स की संख्या 2025 तक बढ़कर 30 प्रतिशत होने की उम्मीद है। 2020 में यह संख्या 15 प्रतिशत थी। एलईईडी (लीडरशीप इन एनर्जी एंड एनवायरमेंट डिजाइन) जैसे ग्रीन बिल्डिंग सर्टिफिकेशन अधिक आम होते जा रहे हैं क्योंकि रियल एस्टेट उद्योग सस्टेनेबिलिटी को प्राथमिकता दे रहा है।2024 के दौरान बेची गई रेजिडेंशियल यूनिट्स की संख्या 2023 की कुल बिक्री की तुलना में 17 प्रतिशत अधिक थी। मिश्रित उपयोग वाले विकास तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं, जो लिव-वर्क-प्ले वातावरण बनाने की दिशा में जा रहे वैश्विक ट्रेंड को दिखाता है। रिपोर्ट में बताया गया है, इस तरह का विकास एक ही परियोजना के भीतर आवासीय, वाणिज्यिक और मनोरंजक स्थानों को जोड़ते हैं, जिससे निवासियों को पैदल दूरी के भीतर उनकी जरूरत की हर चीज मिलने की सुविधा मिलती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्मार्ट घरों और तकनीक-एकीकृत रहने की जगहों की मांग भी आसमान छू रही है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बुमराह की कप्तानी में उतरी भारतीय टीम पहली पारी में 185 रनों पर सिमटी

ऑस्ट्रेलिया ने एक विकेट पर 9 रन बनाये

सिडनी (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें और अंतिम क्रिकेट टेस्ट में उतरी भारतीय टीम एक बार फिर मेजबान गेंदबाजों का सामना नहीं कर पायी और अपनी पहली पारी में 185 रनों पर ही सिमट गयी। ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाये, वहीं अन्य बल्लेबाज सस्ते में ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने दिन का खेल समाप्त तक अपनी पहली पारी में तीन ओवरों में एक विकेट के नुकसान पर 9 रन बना लिए थे। उस्मान ख्वाजा केवल 2 रन पर ही पेवेलियन लौट गये जबकि सैम कोनस्टास 7 रन बनाकर खेल रहे थे।

वहीं आज सुबह भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए बुमराह ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया पर वह सही साबित नहीं हुआ। भारतीय टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही और उसने शुरुआती दो विकेट केवल 17 रनों पर ही खो दिये। भारतीय टीम की ओर से विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाये। सलामी बल्लेबाजों के साथ-साथ कोहली और जडेजा जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी रन नहीं बना पाये। भारत की पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 10 रनों पर ही आउट हो गये । इसके बाद केएल राहुल के उम्मीद थी पर वह केवल 4 रन ही बना पाये। शुभमन गिल ने इस मैच में वापसी करते हुए केवल 20 रन बनाये। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी 17 रन ही बना पाये। ऋषभ ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाये। वहीं रविंद्र जडेजा 26 रनों पर आउट हुए। पिछले मैच में शतक लगाने वाले नितीश रेड्डी शून्य पर ही आउट हो गये। वाशिंगटन सुंदर ने 14 जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने 2 रन बनाये। बुमराह 17 गेंद पर 22 रन बनाकर आउट। बुमराह ने 3 चौके और 1 छक्का लगाया। मोहम्मद सिराज 17 रन बनाकर नाबाद रहे। मेजबान कंगारुओं की ओर से स्कॉट बोलैंड ने 4, मिचेल स्टार्क ने 3, पैट कमिंस ने 2 और नाथन लियोन ने 1 विकेट लिया। भारतीय टीम की अंतिम 11 में रोहित शर्मा की जगह शुभमन गिल और चोटिल आकाशदीप की जगह प्रसिद्ध कृष्णा को मौका मिला। इस मैच में भारतीय टीम के नियमित कप्तान रोहित शर्मा ने आराम लिया। जिस कारण बुमराह को कप्तानी दी गयी थी। इस मैच में शुभमन गिल की अंतिम एकादश में जगह मिली है जबकि तेज गेंदबाज कृष्णा को पहली बारी सीरीज में खेलने का अवसर मिला है। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया ने एक बदलाव के तहत ही मिचेल मार्श की जगह ब्यू वेबस्टर को शामिल किया है। ऑस्ट्रेलिया ने ऑलराउंडर वेबस्टर को खराब फॉर्म में चल रहे मिचेल मार्श की जगह शामिल किया गया है। वेबस्टर ने इस मैच से पदार्पण किया। उन्हें पूर्व क्रिकेटर मार्क वॉ ने टेस्ट कैप सौंपी।

रोहित भारतीय क्रिकेट के इतिहास [cut off]
टीम से बाहर होने वाले पहले कप्तान ब[cut off]

सिडनी (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार को बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के अंतिम मैच में जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में उतरी। इस मैच में नियमित कप्तान रोहित शर्मा ने आराम का फैसला किया। रोहित अब ऐसे पहले कप्तान हो गये हैं जिन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली है। भारतीय क्रिकेट में कई बार सीरीज में कप्तान बदले हैं पर टीम में रहते हुए अंतिम ग्यारह से बाहर रहने का ये पहला मामला है। वहीं विश्व क्रिकेट की बात करें तो चौथी बार ऐसा हुआ है।

इससे पहले किसी कप्तान को अंतिम ग्यारह से बाहर करने का पहला मामला 1974 की एशेज सीरीज में आया था। उस समय इंग्लैंड के माइक डेनेस चौथे टेस्ट से बाहर रहे थे और उनकी जगह जॉन एडरिच को कप्तानी दी गयी थी पर अगले टेस्ट में उनकी वा[cut off] हो गयी थी जबकि रोहित के मामल[cut off] ऐसा नहीं हो सकता। साल 201[cut off] बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ऐसा प[cut off] बार हुआ है। अंतिम बार पाकिस्ता[cut off] मिस्बाह उल हक ने ऑस्ट्रेलिया[cut off] खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के [cut off] बाहर होने का फैसला किया था, उ[cut off] जगह शाहिद अफरीदी को टीम [cut off] कप्तान बनाया गया था।

उसी साल दिनेश चंडीमल [cut off] सेमीफाइनल और फाइनल सहित ट[cut off] वर्ल्ड कप के अंतिम तीन मैचों के [cut off] श्रीलंकाई लाइन-अप से बाहर र[cut off] और तब लसिथ मलिंगा ने तब क[cut off] की जिम्मेदारी संभाली थी और टीम[cut off] पहला टी20 वर्ल्ड कप खिताब जि[cut off] था।

कोहली के कैच पर उठा विवाद , नॉट आउट दिये गये

सिडनी (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के खिलाफ सिडनी टेस्ट मैच में पहली ही गेंद पर आउट की अपील की गयी हालांकि कोहली को आउट नहीं दिया गया। इसपर काफी विवाद भी हुआ। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर और इरफान पठान ने जहां अंपायर के इस फैसले को सही बताया। वहीं इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने इसे गलत बताया। कोहली के आउट होने का रिव्यू भी लिया गया।

इस कैच पर की गयी अपील को टीवी अंपायर ने समीक्षा के बाद खारिज कर दिया। उनका कहना था कि गेंद जमीन से लग गयी थी। इसके बाद इस फैसले पर विवाद हो गया। जहां गावस्कर और पठान ने विराट को नॉटआउट बताया। वहीं इंग्लैंड के माइकल वॉन और ऑस्ट्रेलिया के जस्टिन लैंगर का कहना है कि विराट आउट हैं क्योंकि गेंद सीधे स्मिथ के हाथ में पहुंची थी।

इरफान पठान ने सोशल मीडिया लिखा, 'कोहली नाट आउट थे। अंपायर ने उन्हें आउट न देकर सही किया।' वहीं वॉन ने कहा कि स्मिथ की उंगली गेंद के नीचे थ। इसलिए विराट कोहली आउट थे।' लैंगर का मानना है कि विराट निश्चित रूप से आउट थे। स्मिथ की उंगली गेंद के नीचे थी। इस में रोहित शर्मा का आराम देकर जसप्रीत बुमराह को कप्तानी दी गयी। इस मैच में शुभमन गिल को अंतिम एकादश में जगह मिली है जबकि तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को सीरीज में पहली बार अवसर मिला है।

मैं मानसिक रूप से ठीक नहीं था... सिडनी टेस्ट में आया ऋषभ पंत का बड़ा बयान

सिडनी (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। सिडनी में अंतिम टेस्ट के पहले दिन भारतीय बल्लेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने पारी के दौरान बरते अधिक रक्षात्मक दृष्टिकोण पर बात की। उन्होंने कहा कि कभी-कभी किसी को 'समझदारी से क्रिकेट' खेलने की जरूरत होती है। आज विकेट बल्लेबाजों के लिए मददगार नहीं था इसलिए उन्हें अपने स्वाभाविक खेल पर लगाम लगानी पड़ी। सिडनी टेस्ट के पहले दिन भारत के लिए बल्लेबाजी इकाई के रूप में एक और निराशाजनक दिन रहा क्योंकि शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने एक बार फिर अपने विकेट खराब शॉट के कारण गंवा दिए। स्कॉट बोलैंड (4/31) ने भारत को परेशान किया, जबकि ऋषभ ने 98 गेंदों में 3 चौकों और 1 छक्के की मदद से 40 रन बनाए। अपनी पारी के दौरान पंत को कई शारीरिक चोटें भी लगीं।

पंत ने पोस्ट-डे प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अपनी पारी के बारे में बात करते हुए कहा कि मुझे लगता है कि इस पारी में मैं उस मानसिक स्थिति में नहीं था, जहां मैं खेल की कमान संभालना चाहता था, क्योंकि विकेट बहुत ज्यादा हिल रहा था। और जिस तरह की स्थिति में हम थे और अंदर खेलते हुए मुझे लगा कि मैं थोड़ा रक्षात्मक क्रिकेट खेल सकता हूं। हां, आक्रमण करने का एक समय होता है, लेकिन जब आपको अंदर से ऐसा महसूस करना होता है। मैं पहले से यह नहीं सोच सकता कि मैं इस तरह से खेलूंगा, खेल ने मुझे उस दिन जो भी करने के लिए कहा, मैं वही करने की कोशिश करता हूं और यही मेरी मानसिकता थी।

पंत ने कहा कि बल्लेबाजी करते समय अपने साहसी स्ट्रोकप्ले पर जीवित रहने को प्राथमिकता देना थोड़ा मुश्किल है। पंत ने कहा कि इस पारी में 50-50 प्रतिशत संभावना थी जिसे मैं शुरू में भुना सकता था, लेकिन कभी-कभी आपको अधिक सुरक्षित क्रिकेट खेलना होता है, विशेषकर जिस तरह से (एससीजी) विकेट व्यवहार कर रहा था, हम जानते थे कि अगर हमें यहां एक और विकेट मिल गया तो हम जल्दी-जल्दी दो-तीन विकेट खो सकते हैं, इसलिए जिस तरह से मैं खेल रहा था उसके पीछे यही विचार था और पिछले मैच में हमारे सामने जिस तरह का लक्ष्य था, उसमें कुछ खास करने को नहीं था, मुझे लगता है कि मुझे उसी तरह (रक्षात्मक) खेलना था, इसलिए मुझे लगता है कि मैं जिस तरह से खेल रहा हूं, वह ठीक है। इस बीजीटी के दौरान अब तक 5 मैचों और 8 पारियों में पंत ने 48.62 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 24.25 की औसत से 194 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 40 रहा है।

सिडनी के परिणाम पर टिकीं डब्लयूटीसी[cut off] फाइनल के लिए भारत की संभावनएं

सिडनी ।भारतीय टीम के विश्व विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्यूटीसी) फाइनल [cut off] संभावनाएं अब सिडनी टेस्ट पर ही अधारित हैं ।अगर भारतीय टीम ये मैच हार [cut off] तो उसके फाइनल में पहुंचने की सभी संभावनएं समाप्त हो जाएंगी ।वहीं अग[cut off] जीतती है तो दौड़ में बनी रहेगी पर उसे अन्य टीमों के परिणामों पर भी आध[cut off] होनो होगा ।इस मैदान पर भारतीय टी को अब तक 13 मैचों में से केवल एक बार ही जीत मिली है ।वहीं उसे पांच मैचों में हार का सामना करना पड़ा है जबकि सात मैच ड्रॉ रहे ।भारतीय टीम को एकमात्र जीत जनवरी 1978 में मिली तब बिशन सिंह बेदी कप्तान थे ।उस मैच में ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 131 रन पर आउट [cut off] के बाद गुंडप्पा विश्वनाथ और करसन घावरी के अर्धशतकों की सहायता से भार[cut off] 265 रन की बढ़त बना ली ।इसके बाद, इरापल्ली प्रसन्ना के चार विकेट लिए [cut off] ऑस्ट्रेलिया टीम अपनी दूसरी पारी में 263 रन पर आउट हो गई ।पहली पा[cut off] भागवत चन्द्रशेखर और बेदी ने क्रमश: चार और तीन विकेट लिए थे ।वहीं [cut off] सीरीज की बात करें तो पर्थ में 295 रनों की बड़ी जीत के बाद भारतीय टी को [cut off] की बढ़त के साथ मिल गयी थी पर टीम उसे बरकरार नहीं रख पायी ।एडिले[cut off] ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से जीतकर सीरीज बराबर कि फिर ब्रिस्बेन टेस्ट बर[cut off] पर रहा जबकि मेलबर्न में भारतीय टीम को हार झेलनी पड़ी। बॉर्डर गाव[cut off] सीरीज अभी 2-1 से फिलहाल ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में है पर अगर भारतीय [cut off] मैच जीतती है और सीरीज ड्रॉ रहती है भारतीय टीम डब्ल्यूटीसी की दौड़ में रहेगी

एक पारी के बल पर ही पहचान नहीं बना सकते कोंस्टास : कैरी

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी ने कहा है कि युवा सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास को ये नहीं समझना चाहिये कि केवल एक पारी के बल पर ही वह भविष्य के मैचों के लिए अपनी पहचान नहीं बना सकते। कैरी ने कहा कि कोंस्टास को लगातार रन बनाने होंगे। कोंस्टास ने अपने पदार्पण मैच में ही तेजी से खेलते हुए अर्धशतक लगाया था जिसके बाद से ही वह बेहद खुश हैं। उससे वह मंत्रमुग्ध थे, लेकिन उन्हें लगता है कि यह पारी भविष्य के मैचों के लिए उनकी पहचान नहीं बनेगी। कोंस्टास ने एमसीजी में 65 गेंद पर 60 रन की आकर्षक पारी खेली और इस दौरान भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के गेंदों को भी अच्छे से खेला। कोंस्टास को पहले तीन मैच में असफल रहने वाले नाथन मैकस्वीनी की जगह टीम में लिया गया और उन्होंने आते ही आक्रामक रुख अपनाया पर कैरी ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि यह 19 वर्षीय सलामी बल्लेबाज हर मैच में इतना आक्रामक प्रदर्शन करेगा। उन्होंने कहा, 'वह जो ऊर्जा लेकर आए, वह कुछ अलग थी। शायद इतने अंतर की उम्मीद नहीं थी, लेकिन उन्होंने क्रिकेट की एक ऐसी शैली को अपनाया जो शायद भारत के लिए भी नई थी। कैरी ने कहा, 'हम इंतजार करेंगे और देखेंगे कि वह आगे कैसे खेलते हैं। मुझे नहीं लगता कि यह हर टेस्ट मैच के लिए उनकी पहचान बन जाएगी। लेकिन शुरू में कुछ आक्रामकता अपनाना अच्छा है जिसकी हमें कमी खल रही थी। उन्होंने कहा कि पहले तीन टेस्ट मैचों में मैकस्वीनी और उस्मान ख्वाजा की सलामी जोड़ी ने मुश्किल हालातों में अच्छा काम किया था हालांकि मैकस्वीनी बड़े स्कोर नहीं बना पाये।

खेल रत्न पुरस्कार सबसे बड़ी उपलब्धि लेकिन काफी कुछ हासिल करना बाकी: हरमनप्रीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक पदक के बाद खेल रत्न पुरस्कार के लिए चुने जाने से उत्साहित भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि यह सम्मान उनकी 'शानदार' यात्रा की मान्यता है जिसमें उन्हें भविष्य में बहुत कुछ हासिल करना है। पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली निशानेबाज मनु भाकर, शतरंज के विश्व चैंपियन डी गुकेश, हरमनप्रीत और पैरालंपिक ऊंची कूद के स्वर्ण विजेता प्रवीण कुमार को खेल मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को 2024 मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार के लिए चुना है। हरमनप्रीत ने कहा कि यह मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है। यह मेरे लिए एक बड़ी उपलब्धि है। मैं वास्तव में बहुत खुश हूं। ऐसा लगता है कि यह मेरे जीवन का सबसे अच्छा हिस्सा है। मुझे इतना बड़ा पुरस्कार और मान्यता मिल रही है।

पेरिस ओलंपिक में सबसे ज्यादा 10 गोल करने वाले इस 28 साल के खिलाड़ी का करियर उपलब्धियों से भरा रहा है। वह पेरिस से पहले तोक्यो में कांस्य पदक जीतने वाली टीम के भी सदस्य थे। उन्होंने 2016 में जूनियर विश्व कप में स्वर्ण, राष्ट्रमंडल खेलों में रजत, एशियाई खेलों में स्वर्ण और कांस्य के अलावा चैंपियंस ट्रॉफी में दो रजत पदक जीते है। हरमनप्रीत ने पिछले वर्ष सहित तीन बार एफआईएच साल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता है। वह हालांकि इन उपलब्धियों से

संतुष्ट नहीं है और अभी करियर में काफी कुछ हासिल करना चाहते हैं।

हरमनप्रीत ने कहा कि अपनी पूरी यात्रा में मैंने बहुत कुछ सीखा है, मैंने जीत और हार सहित कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। मुझे हालांकि लगता है कि आप केवल उन अनुभवों से सीखते हैं। पहले दिन से मेरी मानसिकता खुद को बेहतर करने की रही है। पंजाब के अमृतसर के टिम्मोवाल गांव में किसान परिवार में जन्मे हरमनप्रीत का अंतरराष्ट्रीय करियर 2014 में शुरू हुआ था। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय टीम के साथी खिलाड़ियों को दिया। भारतीय कप्तान ने कहा कि हम जो भी हासिल कर रहे हैं वह एक टीम के रूप में कर रहे हैं। मेरी यात्रा बहुत दिलचस्प रही है, मुझे व्यक्तिगत मान्यताएं और पुरस्कार मिल रहे हैं लेकिन यह केवल मेरे साथी खिलाड़ियों के कारण संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि मैंने अब तक की अपनी यात्रा का भरपूर आनंद लिया है। मैंने बहुत मेहनत की है और मैंने अब तक जो भी हासिल किया है, उससे मैं खुश हूं।

भारतीय हॉकी टीम की रक्षापंक्ति के इस खिलाड़ी की नजर अब विश्व कप में पदक जीतने पर है। विश्व कप का आयोजन अगले साल बेल्जियम में होगा। हरमनप्रीत ने कहा कि निश्चित रूप से मेरा मुख्य लक्ष्य विश्व कप होगा क्योंकि लंबे समय से हमने विश्व कप में कोई पदक नहीं जीता है। लेकिन ऐसा नहीं है कि अपने जीवन में सब कुछ हासिल कर लिया है। उन्होंने कहा कि हमने ओलंपिक में लगातार पदक जीते हैं लेकिन हमारा अगला लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतना और सभी प्रमुख टूर्नामेंट जीतना होगा। यह चरण दर चरण प्रक्रिया है और हम एक टीम के रूप में अपने लक्ष्य हासिल करना चाहेंगे।

हरमनप्रीत वर्तमान में राउरकेला में चल रही हॉकी इंडिया लीग में पंजाब के सूरमा हॉकी क्लब का नेतृत्व कर रहे हैं। सूरमा हॉकी क्लब ने अब तक दो मैच खेले हैं, जिसमें एक में जीत और एक में हार मिली है। उन्होंने कहा कि हर टीम के लिए शुरुआत में एकजुट होना और समझ के साथ सामंजस्य बनाना कठिन होगा। हम कल का मैच हार गए लेकिन इसमें भी हमारे लिए कई सकारात्मक चीजें रही।

भारत-पाक मैचों का इंतजार सभी को रहता है : वाटसन

सिडनी ।पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर शेन वाटसन ने कहा है भारतीय टीम का चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान नहीं जाना निराशाजनक है पर इस टूर्नामेंट से विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को फार्म हासिल करने का अवसर मिल जाएगा ।भारतीय टीम चैम्पियंस ट्रॉफी के अपने मुकाबले दुबई में खेलेगी। वाटसन ने यहां चैम्पियंस ट्रॉफी टूर के दौरान कहा, 'यह बदकिस्मती की बात है कि ऐसे हालात बने हालांकि इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत-पाकिस्तान मैचों का सभी को इंतजार रहता है ।जब भी वे एक दूसरे के खिलाफ खेलते हैं तो उन मुकाबलों में जबरदस्त रोमांच रहता है ।भारतीय टीम चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान नहीं जा रही है पर इसमें कोई कुछ नहीं कर सकता है ।वाटसन ने कहा कि चैम्पियंस ट्रॉफी दो एकदिवसीय विश्व कप के बीच चार साल के अंतर को को कम करने का अच्छा रास्ता है ।उन्होंने कहा, 'चैम्पियंस ट्रॉफी विश्व क्रिकेट में सबसे अहम टूर्नामेंट है क्योंकि एकदिवसीय विश्व कप चार साल में एक बार होता है ।यह उस इंतजार को कम करता है और इससे इससे टेस्ट क्रिकेट और टी20 के बीच संतुलन बनता है। ।एकदिवसीय क्रिकेट को इस तरह के टूर्नामेंट से ऊर्जा मिलती रहती है क्योंकि यह काफी अच्छा प्रारूप है ।वाटसन ने कहा, 'हम टी20 के बाद भी एकदिवसीय क्रिकेट को बनाये रखना चाहते हैं , इसलिए चैम्पियंस ट्रॉफी अहम है ।इसमें सिर्फ 8 टीमें खेलती है और हर गेंद महत्वपूर्ण होती है ।इसमें आपको लगातार अच्छा खेलना होता है वरना बाहर होने का खतरा बना रहता है ।भारतीय टीम ने साल 2013 चैम्पियंस ट्रॉफी जीती थी पर उस समय विराट कोहली और रोहित शर्मा अच्छे फार्म में थे ।अभी होनो ही खराब दौर से गुजर रहे हैं ।वाटसन ने कहा कि यह चिंता की बात नहीं है ।उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि खराब दौर विराट और रोहित के प्रभाव पर कोई असर डालेगा ।दुबई में हालात अलग होंगे और एकदिवसीय में वे खुलकर खेल सकेंगे ।कोहली वैसे भी एकदिवसीय में अन्य प्रारुपों से बेहतर खेलते हैं। ।वाटसन ने कहा, 'चैम्पियंस ट्रॉफी में रोहित के सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में होने की संभावना है। ।

ब्रिस्बेन इंटरनेशनल : नोवाक जोकोविच को राइली ओपेल्का ने हरार[cut off]

ब्रिस्बेन (ऑस्ट्रेलिया)। नोवाक जोकोविच को ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टेनिस[cut off] क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को यहां राइली ओपेल्का के खिलाफ सीधे सेटों में[cut off] 7, 3-6 से हार का सामना करना पड़ा ।अमेरिका के ओपेल्का ने 16 ऐस लग[cut off] अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। सैतीस साल के जोको[cut off] ऑस्ट्रेलियन ओपन की तैयारी के लिए इस टूर्नामेंट में खेल रहे हैं ।ऑस्ट्रेलि[cut off] ओपन की शुरुआत 12 जनवरी से होगी और जोकोविच इसके 10 बा[cut off] चैम्पियन रहे हैं ।ओपेल्का ने फरवरी 2022 में सर्वश्रेष्ठ करियर रैंकिंग 17 हा[cut off] की है ।कूल्हे की सर्जरी के कारण खेल से दूर रहने के कारण उनकी मौजूदा रैं[cut off] 293 है ।ओपेल्का के सामने सेमीफाइनल में जी. एमपेत्शी पेरीकार्ड की चु[cut off] होगी ।पेरीकार्ड ने याकूब मेनसिक को 7-5, 7-6 से हराया ।दूसरे सेमीफाइ[cut off] में जिरी लेहेका का मुकाबला ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा ।लेहेका ने निकोलस [cut off] को 6-4, 6-4 से हराया और जॉर्डन थॉम्पसन के रिटायर होने पर दिमित्रो[cut off] अंतिम चार में जगह पक्की की ।खेल रोके जाते समय दिमित्रोव 6-1, 2-1 से [cut off] थे।

हॉकी कैलेंडर व्यस्त होने से नहीं शुरु[cut off] कर पा रहे चैंपियंस ट्रॉफी - इकराम

राउरकेला ।अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) अध्यक्ष दातो तै[cut off] इकराम ने कहा है कि वह चैंपियंस ट्रॉफी को फिर से शुरु करने के पक्ष में ह[cut off] पहले से ही व्यस्त अंतरराष्ट्रीय हॉकी कैलेंडर में इस टूर्नामेंट के लिए समय दे[cut off] सबसे कठिन हो रहा है ।चैंपियंस ट्रॉफी साल 1978 में शुरु होने के बाद से ह[cut off] वर्ष होती थी पर साल 2014 में यह दो साल में एक बार हो गयी ।यह टूर्नामेंट [cut off] समय हॉकी की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में से एक था पर बाद में इसे[cut off] करना पड़ा ।इसका अंतिम चरण 2018 में आयोजित कराया गया था ।एफआ[cut off] प्रमुख ने कहा' हम इस बात से मना नहीं कर रहे हैं कि चैंपियंस ट्रॉफी या इसी [cut off] के किसी टूर्नामेंट को फिर से शुरू किया जा सकता है पर हमें कैलेंडर में ज[cut off] देखने की जरूरत है जब इससे कराया जा सके। उन्होंने खिलाड़ियों के [cut off] कार्यक्रम और उनके कार्यभार को ध्यान में रखते हुए ज्यादा टूर्नामेंटों की जगह[cut off] बेहतर और अधिक रोमांचक टूर्नामेंट शुरू करने की जरुरत बतायी ।इकरा[cut off] हॉकी की वैश्विक पहुंच का विस्तार करने और शीर्ष नौ टीमों के अलावा अन्य [cut off] के लिए मौका प्रदान करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, '[cut off] हमारे पास दूसरे दर्जे के देशों के लिए कुछ नहीं था ।वहीं अब शीर्ष नौ-10 देश[cut off] बाद हमने अगले आठ देशों के लिए नेशन्स कप शुरू किया है ।एफआईएच के [cut off] मेरा लक्ष्य है कि शीर्ष 35 देश एफआईएच टूर्नामेंट में शामिल हों। उन्होंने ए[cut off] और उभरते हॉकी देशों के बीच के अंतर को दूर करने पर भी बल दिया ।इकरा[cut off] कहा, 'अंतर पाटने का एकमात्र तरीका है कि हमें अन्य देशों को भी शामिल क[cut off] होगा। इसलिए समस्या यह होगी कि आपका कैलेंडर अधिक भरा ह[cut off] एफआईएच का एक प्रमुख टूर्नामेंट प्रो लीग 2019 से चल रहा है ।इसी को ले[cut off] इकराम ने 'प्रो लीग कनेक्ट नाम की एक नयी परियोजना के शुरू होने की घो[cut off] की जिसका उद्देश्य शीर्ष हॉकी देशों के बाहर के देशों को शामिल करना है ।

ज्यादा पैरा खिलाड़ियों को खेल रत्न मिलते देखना अच्छा होता: प्रवीण कुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऊंची कूद के पैरा एथलीट प्रवीण कुमार पेरिस पैरालंपिक में स्वर्ण पदक की बदौलत चार ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार विजेताओं में शामिल होने से खुश हैं और उनका कहना है कि और ज्यादा पैरा खिलाड़ियों का देश के इस सर्वोच्च खेल सम्मान के लिए चयन किया जाता तो उन्हें और अधिक खुशी होती।

प्रवीण के अलावा दो ओलंपिक पदक जीतने वाली निशानेबाज मनु भाकर, शतरंज विश्व चैंपियन डी गुकेश और पेरिस खेलों के कांस्य विजेता पुरुष हॉकी कप्तान हरमनप्रीत सिंह के साथ खेल रत्न से सम्मानित किया जाएगा। तोक्यो ओलंपिक के अपने कांस्य को पेरिस में स्वर्ण में बदलने वाले तीरंदाज हरविंदर सिंह जैसे कुछ पैरा खिलाड़ियों ने खेल रत्न के लिए विचार नहीं किए जाने पर निराशा व्यक्त की है। पेरिस पैरालिंपिक में भारत ने रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन कर 29 पदक हासिल किये जिसमें सात स्वर्ण शामिल हैं।

प्रवीण ने साक्षात्कार में कहा कि अगर पेरिस ओलंपिक के कुछ पदक विजेताओं को भी खेल रत्न मिलता तो उन्हें खुशी होती लेकिन उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया। उन्होंने कहा, 'मैं उनसे सिर्फ इतना कहूंगा कि हिम्मत नहीं हारें और अच्छा प्रदर्शन करते रहें। पैरा खेलों को सिर्फ एक खेल रत्न दिया गया है और यह संख्या और होनी चाहिए थी। मुझे अच्छा लगता अगर दो-तीन और पैरा खिलाड़ियों को खेल रत्न दिया जाता।'

21 वर्षीय प्रवीण के पैरों में जन्म से विकृति थी जिसके कारण उनके दोनों पैर कमजोर थे। उनका एक पैर छोटा है जिससे उन्हें नियमित फिजियोथेरेपी की जरूरत थी। उनके पिता उनका सबसे बड़े सहारा बने। प्रवीण ने कहा कि वह हमेशा सक्षम खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करना चाहते थे जबकि उन्हें अच्छी तरह से पता था कि यह 'बहुत कठिन काम' होगा। उन्होंने पेरिस में पुरुषों की ऊंची कूद टी64 स्पर्धा में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करते हुए तोक्यो ओलंपिक के रजत पदक को स्वर्ण पदक में तब्दील किया।

नई दिल्ली के साउथ में रहने वाले प्रवीण जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में सात से आठ घंटे ट्रेनिंग करते हैं और अब उन्हें साल के अंत में राजधानी में होने वाली विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल करने की उम्मीद है। प्रवीण ने कहा, 'ओलंपिक में सफलता हासिल करना और अपनी सफलता के लिए खेल

रत्न पुरस्कार मिलने पर मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है। यह मेरे लिए सपने का सच होना है। यह पुरस्कार मुझे विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मेरे घरेलू मैदान में स्वर्ण पदक जीतने के लिए प्रेरित करेगा।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रबी फसलों को पिलाएं संतुलित जल

अधिक सिंचाई से होने वाली हानियाँ- सिंचाई समय से करने पर लाभ होता है किंतु जरूरत से अधिक करने पर पौधों के आवश्यक पोषक तत्व भूमि में रिस कर निचली सतह पर चले जाते हैं जो पौधों को उपलब्ध नहीं होते। इसी कारण पौधे पीले पड़ने लगते हैं। ऐसा अधिकतर नहर वाले सिंचाई क्षेत्रों में देखने को मिला है. अधिक सिंचाई करने से मिट्टी में वायु संचार में कमी आ जाती है जिससे पौधे की वृद्धि रुक जाती है।

किसानों की यह आमधारणा है कि जितनी अधिक सिंचाई की जायेगी, उतनी ही ज्यादा उपज मिलेगी, किंतु वास्तविकता यह नहीं है. पानी उतना ही लाभदायक है, जितना पौधों की जरूरत है. बाकी जल तो अधिक गहराई तक पौधों की जड़ों की पहुंच से दूर नीचे रिस जाता है और कुछ भाप बनकर उड़ जाता है। रबी की फसलों में सिंचाई का दो तिहाई पानी कच्ची नालियों से रिसकर अन्यथा बहकर नष्ट हो जाता है केवल एक तिहाई भाग पानी ही पौधों को प्राप्त होता है। अतः अगर सिंचाई समयानुसार की जाय तो न केवल सी मिल जल का अच्छा उपयोग होगा, बल्कि ज्यादा क्षेत्रमें भी किसान सिंचाई करके अपने खेत की औसत उपज बढ़ा सकते हैं।

अधिक सिंचाई से होने वाली हानियाँ- सिंचाई समय से करने पर लाभ होता है किंतु जरूरत से अधिक करने पर पौधों के आवश्यक पोषक तत्व भूमि में रिस कर निचली सतह पर चले जाते हैं जो पौधों को उपलब्ध नहीं होते। इसी कारण पौधे पीले पड़ने लगते हैं। ऐसा अधिकतर नहर वाले सिंचाई क्षेत्रों में देखने को मिला है. अधिक सिंचाई करने से मिट्टी में वायु संचार में कमी आ जाती है जिससे पौधे की वृद्धि रुक जाती है।

- पौधे पीले पड़ने लगते हैं।
- पौधे की बढ़वार रुक जाती है
- भूमि में क्षार बढ़ने से ऊसर होने की संभावना है।
- अधिक नमी होने के कारण भूमि में पौधों की जड़ों का क्षेत्र घट जाता है जिससे पौधों को पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्वन हीं मिल पाते हैं।

रबी फसलों में महत्वपूर्ण सिंचाई की अवस्थाएं

- **गेहूं** रबी फसलों में गेहूं को ही सबसे अधिक सिंचाई से फायदा होता है देशी उन्नत जातियाँ या गेहूं की ऊंची किस्मों की जल की आवश्यकता 25 से 30 से.मी. है। इन जातियों में जल उपयोग की दृष्टि से तीन अवस्थाएं होती हैं जो क्रमशः कल्ले निकलने की अवस्था (बुआई के 30 दिन बाद), पुष्पावस्था (बुआई के 50 से 55 दिन बाद) और दूधिया अवस्था बुआई के 95 दिन बाद)इन अवस्थाओं में सिंचाई करने से निश्चित उपज में वृद्धि होती है। प्रत्येक सिंचाई में 8 से.मी. जल देना आवश्यक है।

बौने गेहूं की किस्मों को प्रारंभिक अवस्था से ही पानी की अधिक आवश्यकता होती है- क्राउन रुट (शिखर या शीर्ष जड़ें) और शीर्ष जड़े और 'झखड़ा जड़ें' निकलते समय।

बुआई के 15-16 दिन तक पौधा बीज में सुरक्षित भोजन पर जीवित रहता है और अपनी खुराक लेता रहता है। लेकिन इसके बाद बीज का संचित भोजन समाप्त होने लगता है और तब वह धीरे-धीरे भूमि से खुराक खींचना शुरू कर देता है। ये जड़ें लगभग एक से.मी. की गहराई पर निकलती हैं। जिस समय ये जड़ें निकलती हैं, उस समय भूमि की सतह नम होनी चाहिए. ऐसे में बुआई के 20-21 दिन बाद खेत में हल्की सिंचाई करना अत्यंत आवश्यक होता है। किसानों को यह बात भली-भांति समझना चाहिए कि शिखर जड़ों से पौधों में कल्लों का विकास होता है, जिससे पौधों में बालियां ज्यादा आती हैं और फलस्वरूप उपज अधिक मिलती है। झखड़ा जड़ें पौधों को प्रारंभिक आधार देती हैं।

अतः बुआई के समय हर हालत में खेत में काफी नमी होनी चाहिए. बौनी गेहूं की किस्मों के खेत में पलेवा देकर खेत की तैयारी करने से अच्छा अंकुरण होता है। इन जातियों को 40 से 50 से.मी. जल की कुल आवश्यकता होती है और प्रति सिंचाई 6 से 7 से.मी. जल देना जरूरी है।

अगर दो सिंचाई की सुविधा है तो पहली सिंचाई बुआई के 20-21 दिन बाद प्रारंभिक जड़ें निकलने के समय करें दूसरी सिंचाई फूल आने के समय। यदि तीन सिंचाई करना संभव हो तो पहली सिंचाई बुआई के 20-21 दिन बाद (शिखर जड़ें निकलते समय), दूसरी पौधों में गाँठ बनते समय (बुआई के 60-65 दिन बाद) और तीसरी सिंचाई पौधों में फूल आने के बाद करनी चाहिए। जहां चार सिंचाईयों की सुविधा हो वहाँ पहली सिंचाई बुआई के 21 दिन बाद (शिखर जड़ें निकलते समय), दूसरी बुआई के 40-45 दिन बाद (पौधों में कल्ले निकलने के बाद) तीसरी बुआई के 60-65 दिन बाद (पौधों में गाँठ बनते समय) और चौथी सिंचाई फूल आते समय करें. चौथी और पाँचवी सिंचाई विशेष लाभप्रद सिद्ध नहीं होती है। इनको उसी समय करना चाहिए जब मिट्टी में पानी की संचय शक्ति कम हो। बलुई या बलुई दोमट मिट्टी में इस सिंचाई की जरूरत होती है। पांचवी सिंचाई उस समय करें जब दानों में दूध पड़ जाये। यदि वायुमंडल का तापमान तेजी से बढ़ रहा हो तो छठी सिंचाई हल्की करें। जब दाने में थोड़ी कठोरता नजर आती हो या दूधिया अवस्था बीत गयी हो तो इस सिंचाई को करना बहुत जरूरी नहीं है।

परीक्षणों से यही निष्कर्ष निकला है कि यदि 6 सिंचाईयां की जायें तो बौने गेहूं से अधिकतम उपज मिलती है। लेकिन यदि 6 सिंचाईयाँ संभव न हो तो उपयुक्त समय पर उक्त तीन सिंचाईयां तो अवश्य ही करनी चाहिए। पिछेती गेहूं में पहली 5 सिंचाईयां 15 दिनों के अंतर से करें। फिर बालें निकलने के बाद यह अन्तर 9-10 दिन का रखें। पिछेती गेहूं की दैहिक अवस्था पिछड़ जाती है और बालें निकलना और दानों का विकास तो ऐसे समय पर होता है जब वाष्पीकरण तेजी से होता है और ऐसी दशा में खेत में नमी की कमी का दानों के विकास पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है, फलस्वरूप दाना सिकुड़ जाता है। इसीलिए देर से बोये गए गेहूं में जल्दी सिंचाई कम दिनों के अंतर से जरूरी है।

रबी में लगाएं राई-सरसों

भूमि की तैयारी : (अ) बारानी क्षेत्र- वर्षा आधारित क्षेत्रों में वर्षा ऋतु से ही जुताई आरंभ करना चाहिए तथा मिट्टी को खरपतवार रहित कर भुरभुरी बनाकर पाटा लगाकर छोड़ देना चाहिए। उपयुक्त तापमान आने पर बुवाई करें।

(ब) **सिंचित क्षेत्र-** जब खरीफ फसल की कटाई हो जाये तब पलेवा देकर खेत की तैयारी करें तथा पाटा लगाकर खेत को समतल कर लें फिर बुवाई करें।

विकसित एवं अनुशंसित किस्में

पूसा बोल्ड- बड़े दाने वाली इस जाति का 1000 दानों का वजन 7 ग्राम है तथा यह 110-140 दिन में पककर तैयार होती है तेल की मात्रा 42 प्रतिशत तथा उपज 18 क्विंटल/हे. है।

रोहिणी- इसकी फलियां टहनियों से चिपकी रहती हैं तथा यह 125-130 दिन में पककर तैयार होती है तेल की मात्रा 43 प्रतिशत तथा 1000 दानों का वजन 5.2 ग्राम है उपज 22-28 क्विं./हे. है।

वरूणा- यह सम्पूर्ण भारत वर्ष के लिये अनुमोदित है यह 135-140 दिन में पककर तैयार होती है। दानों का वजन 6 ग्राम तथा उपज 20-22 क्विं./हे. है तथा तेल की मात्रा 43 प्रतिशत है।

जवाहर सरसों-1 :- यह जाति 125-127 दिन में पककर तैयार होती है इसके 1000 दानों का वजन 5 ग्राम है तथा तेल की मात्रा 42 प्रतिशत तथा उपज 20-21 क्विं./हे. है। यह सफेद किट्ट नामक रोग के प्रतिरोधिता वाली किस्म है।

वसुन्धरा- यह किस्म 130-140 दिनों में पककर तैयार हो जाती है तथा तेल की मात्रा 40 प्रतिशत तथा उपज 20-21 क्विं./हे. है।

जवाहर सरसों-2 :- यह किस्म 135-138 दिन में तैयार होती है, तेल की मात्रा 40 प्रतिशत तथा दानों का वजन 5 ग्राम तथा उपज 15 से 30 क्विं./हे. है।

जवाहर सरसों-3 :- यह 130-132 दिनों में पककर तैयार होती है तथा इसकी फली चटकती नहीं है तेल 40 प्रतिशत तथा उपज 15 से 25 क्विं./हे. है।

जगन्नाथ- यह किस्म 125-130 दिन में पककर तैयार होती है तथा उपज 18 क्विं. प्रति होगा तथा तेल की मात्रा 40 प्रतिशत तक होती है।

जवाहर सरसों-4- यह किस्म असिंचित अवस्था के लिये उपयुक्त है। यह 125-135 दिन में पककर तैयार होती है तेल की मात्रा 43 प्रतिशत तथा दानों का वजन 5-6 ग्राम तक है।

माया- यह किस्म 125-135 दिन में पककर तैयार होती है तथा तेल की मात्रा 40 प्रतिशत एवं उपज 25-29 क्विं./हे. है।

बीजोपचार :- भरपूर पैदावार हेतु फसल को बीमारियों से बचाने हेतु बीजोपचार आवश्यक है, बीजोपचार 6 ग्राम एप्रान एस.डी.35 नामक दवा से प्रति किलो बीज दर से करें या 3 ग्राम कार्बेन्डाजिम 3 ग्राम थीरम नामक दवा द्वारा प्रतिकिलो बीज के हिसाब से करके फसल बोएं।

बुवाई का समय : बुवाई असिंचित क्षेत्रों में 20 सितंबर से 15 अक्टूबर तक, 5-6 किलोग्राम बीज दर के हिसाब से बोएं तथा सिंचित क्षेत्रों में 15 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक 5 किलोग्राम बीज दर/हे. के हिसाब से करें। बुवाई देशी हल या सीड ड्रिल से कतारों में करें। पंक्ति से पंक्ति की दूरी 30 से.मी. एवं बीज से बीज की दूरी 10 से.मी. रखें। गहराई 2-3 से.मी. रखें अधिक गहरा बीज बोने पर अंकुरण पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

खाद एवं उर्वरक की मात्रा : भरपूर पैदावार के लिये हरी खाद, गोबर की खाद या कम्पोस्ट खाद का प्रयोग करना चाहिए. सिंचित क्षेत्र के लिये 100 क्विं. पकी हुई गोबर खाद बुवाई पूर्व खेत में डालकर जुताई कर खेत में मिला लें। बारानी क्षेत्र में देशी खाद या कम्पोस्ट खाद 40-50 क्विं./हे. बुवाई पूर्ण खेत में डालकर अच्छी तरह मिला लें इसके बाद रसायनिक उर्वरकों को खेत में मिलाएं। सिंचित क्षेत्र के लिये 217 किलोग्राम यूरिया, 313 कि.ग्राम, सिंगल सुपर फास्फेट, 40 किलोग्राम, म्यूरेट ऑफ पोटाश एवं 30 किलोग्राम गंधक देने से सरसों की भरपूर पैदावार होती है। जबकि असिंचित क्षेत्र के लिये 40 किलोग्राम यूरिया, 20 किलोग्राम, सिंगल सुपर फास्फेट, 10 किलोग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश एवं 15 किलोग्राम गंधक देने पर अच्छी पैदावार ली जा सकती है।

रोगमुक्त होगी चना फसल

चना रबी मौसम की प्रमुख दलहनी फसल है। चने में लगने वाली इल्ली व उकठा रोग का प्रकोप इसकी उत्पादकता में प्रमुख बाधा है साथ ही कुछ क्षेत्रों में परम्परागत पुरानी किस्मों का उपयोग भी कम उत्पादकता का कारण है।

खेत की तैयारी:- खरीफ मौसम के खाली पड़े खेतों में सितम्बर में या अक्टूबर के प्रारंभ में बार-बार जुताई करें ताकि बारिश की नमी का संरक्षण हो सके। खेत से कचड़ा आदि एकत्र कर नष्ट कर देना चाहिए व पाटा लगाकर बुवाई का कार्य करें। अथवा पलेवा लगाकर बोनी करें।

उर्वरकों का उपयोग- दलहनी फसल होने के कारण चने को 743 कि.ग्रा. यूरिया व 373 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट की आवश्यकता सिंचित अवस्था में होती है एवं असिंचित अवस्था में 20 कि.ग्रा. यूरिया व 187 कि.ग्रा.फास्फेट, अंतिम जुताई से पूर्व एक कि.ग्रा. पी.एस.बी. कल्चर को 50 कि.ग्रा. गोबर की खाद में मिलाकर खेत में भुरकाव करने से अच्छे परिणाम मिलते हैं।

उन्नतशील प्रजातियाँ- बीज, फसल उत्पादन का महत्वपूर्ण आदान हैं। अतः बुवाई पूर्व स्वस्थ, सुडौल, रोग रहित प्रजातियों का बीज एकत्र कर रख लेना चाहिए।

बीज दर एवं बीजोपचार :- देशी चने का 75 कि.ग्रा. जबकि बड़े आकार के काबुली चने की 125 कि.ग्रा. मात्रा प्रति हे. के मान से उपयोग करना चाहिए ताकि एक वर्गमीटर क्षेत्र में 25-30 पौधे हों। बुवाई के समय लाइन से लाइन की दूरी 30 से.मी. तथा पौधे से पौधे की दूरी 10 से.मी. होना चाहिए. बोनी से पूर्व बीज को कार्बेन्डाजिम अथवा कार्बोक्सिन की 2 ग्राम मात्रा द्वारा प्रति कि.ग्रा. की दर से उपचारित करें. तत्पश्चात् राइजोबियम व पी.एस.बी. कल्चर से बीज का निवेशन करें इस हेतु 250 ग्राम गुड़ के घोल में कल्चर मिलाकर फिर बीज को उपचारित करें।

अन्य शस्य क्रियाएं:- बुवाई के 25-30 दिन बाद निंदाई कर घास निकालें. ताकि नमी का ह्रास न हो। इसी समय चने की खुटाई करना चाहिए ताकि अधिक से अधिक शाखायें निकल सकें।

बुवाई से पूर्व खेत में भलीभांति तय कर लें कि पर्याप्त नमी है तभी बुवाई करें। चने की फसल में 45-60 दिन के भीतर सिंचाई करें। ध्यान रहे कि फूल आते समय सिंचाई न करें। हल्की भूमि में नमी की कमी होने पर फली लगते समय भी सिंचाई की जानी चाहिए।

कटाई, गहाई व उपजः- परिपक्व अवस्था में आने पर फलियाँ सूखकर पीली पड़ती हैं एवं पत्तियाँ झड़ने लगती हैं। इस समय कटाई करना चाहिए। फसल की कटाई कर 2-3 दिन तक खेत में पड़ा रहने दें तत्पश्चात् गहाई करें। इस प्रकार 15-20 क्विं. किस्मों के अनुसार उत्पादन मिलता है। दानों को भलीभांति सुखाकर 8-10 प्रतिशत नमी पर भंडारित करना चाहिए।

कथित तौर पर बच्चा बदलने के मामले में डॉक्टर समेत नौ लोगों पर एफआईआर

फिरोजाबाद। जनपद के मेडिकल कॉलेज में एक बड़ा मामला सामने आया है, जहां मेडिकल कॉलेज के सौ शैय्या अस्पताल के स्टाफ पर एक बच्चा बदलने का आरोप लगा है। इस मामले में कोर्ट के आदेश पर 9 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। थाना लाइनपार क्षेत्र के गांव गुदाऊ ठार बालक राम निवासी रोहित ने अपने छोटे भाई मोहित की पत्नी काजल को 18 सितंबर 2024 को अस्पताल में प्रसव के लिए भर्ती कराया था। परिजनों का आरोप है कि पहले उन्हें बेटे की सूचना दी गई, लेकिन बाद में बच्चा बदलकर बेटी दे दी गई। परिजनों ने जब शिकायत की तो उनके साथ मारपीट की गई और उल्टे उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी गई. इसके मामले में कोर्ट के आदेश पर जिला अस्पताल में तैनात डॉ. कृष्णा, अंशुल जैन, अटल पांडेय, अजय प्रताप सिंह सहित पांच अन्य कर्मचारियों के खिलाफ उत्तर कोतवाली में मामला दर्ज किया गया है। यह मामला अभी तफ्तीश के दौर में है और पुलिस आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

महाकुंभ में कॉटेज और होटलों की बुकिंग आधिकारिक साइट्स से करने की अपील

नई दिल्ली। अगले साल प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ की तैयारी जोरों पर है। इसके लिए यूपी सरकार और केंद्र सरकार ने अपने-अपने खजानों का मुंह खोल दिया है। सुविधाओं को मूर्तरूप देने के लिए प्रशासन से लेकर शासन स्तर पर निगरानी की जा रही है। हाई क्लास कॉटेज के साथ अस्थाई निर्माण करवाए जा रहे हैं, जिससे यहां आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। इसी बीच साइबर ठगों की जालसाजी की खबरों से भी महाकुंभ की छटा पर बट्टा लग रहा है। मेला प्रशासन लोगों से अपील कर रहा है कि जितनी आधिकारिक साइट्स हैं उनके द्वारा ही कॉटेज या फिर अन्य व्यवस्थाओं की बुकिंग करवाई जाए। ऑनलाइन बुकिंग के लिए सिर्फ आधिकारिक वेबसाइट्स का ही इस्तेमाल किया जाए। डीसीपी सिटी ने अपील की कि महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं से गुजारिश है कि वह महाकुंभ में टेंट सिटी में कॉटेज और शहर के होटलों में कमरे बुक करने के लिए सिर्फ आधिकारिक वेबसाइट्स का ही इस्तेमाल करें। महाकुंभ से जुड़ी आधिकारिक वेबसाइट और सरकार की ओर से बनाए गए महाकुंभ ऐप से जानकारी हासिल करके ही टेंट सिटी और होटल की बुकिंग करें। आपकी लापरवाही आपको नुकसान पहुंचा सकती है।

महाराष्ट्र में कानून-व्यवस्था चरमराई, नये साल के पहले 2 दिनों में 11 हत्याएं

मुंबई। लगता है महाराष्ट्र में कानून-व्यवस्था चरमरा गई है। दरअसल नए साल की शुरुआत हत्याओं से हुई है। राज्य में 1 और 2 जनवरी इन दो दिनों में 11 लोगों की हत्याएं हुई है जिससे कानून व्यवस्था पर सवालिया निशान लग रहा है। नागपुर शहर में सामने आया जब इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे एक छात्र द्वारा जन्म देने वाले अपने माता-पिता की निर्मम हत्या की घटना नए साल की पहली घटना है। फिर शिक्षा की नगरी पुणे में प्रेम प्रसंग को लेकर लड़की के पिता और दो भाइयों द्वारा एक 17 वर्षीय युवक की हत्या कर दी गई। इसके अलावा महाराष्ट्र के और सात शहरों में हत्या के चौंकाने वाले मामले सामने आए हैं। एक तरफ सरकार दावा करती है कि राज्य में कानून-व्यवस्था चुस्त दुरुस्त है वहीं नये साल के पहले 2 दिनों में 11 हत्याएं होने से यही कहा जा रहा है कि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गयी है।

आईआईटी-बीएचयू में छात्रा से गैंगरेप केस में पीड़िता की वर्चुअल पेशी टली

वाराणसी। वाराणसी के आईआईटी-बीएचयू में छात्रा से गैंगरेप केस में पीड़िता की शुक्रवार को पहली वर्चुअल पेशी टल गई। फास्ट ट्रैक कोर्ट के जज ने पीड़िता को बयान पर जिरह के लिए तलब किया था लेकिन पीड़िता नहीं पहुंची। उसके वकील ने पीड़िता के बंगलुरू में होने की बात कहते हुए हाजिरी माफी मांग ली। बताया गया कि पीड़िता 31 जनवरी के बाद ही बनारस लौटेगी। वहीं, आरोपियों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, प्रयागराज हाईकोर्ट से आदेश को निरस्त करने की अपील की है। बता दें कि हाईकोर्ट से तीनों आरोपियों को जमानत मिलने के बाद डरी-सहमी पीड़िता की याचिका पर कोर्ट ने उस असुरक्षित साक्षी माना है। पीड़िता की सुरक्षा और आरोपियों से सामने नहीं आने पर एफटीसी कोर्ट के जज कुलदीप सिंह ने वर्चुअल पेशी कराए जाने का आदेश दिया था जिस पर आरोपियों ने लगातार विरोध दर्ज कराया। बता दें कि गैंगरेप के तीनों आरोपी कुणाल पांडेय, अभिषेक उर्फ आनंद चौरसिया, सक्षम पटेल भाजपा में सक्रिय पदाधिकारी थे और महानगर भाजपा आईटी सेल से जुड़े थे। सरकार के मंत्री-विधायक सहित बड़े नेताओं के संपर्क में थे। जिसके साथ उनके फोटो भी सोशल मीडिया साइट्स पर मौजूद हैं।

तस्करी रोकने के लिए सरकार ने बदले नियम, विदेश जाने वालों को बताना होगा पर्सनल डेटा

नई दिल्ली। भारत सरकार विदेश जाने वालों से 19 तरह की निजी जानकारियां लेगी। इसमें यात्री कब, कहां और कैसे यात्रा कर रहे हैं; इसका खर्च किसने और कैसे उठाया; कौन कब कितने बैग लेकर गया और किस सीट पर बैठा; जैसी जानकारियां ली जाएंगी। यह डेटा 5 साल तक स्टोर रहेगा। जरूरत पड़ने पर इसे अन्य लॉ एन्फोर्समेंट एजेंसियों के साथ भी साझा किया जा सकेगा। इसे 1 अप्रैल से लागू करने की तैयारी है। इसके लिए सभी एयरलाइंस को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। यह कदम तस्करी पर नजर रखने के लिए उठाया गया है। कस्टम डिपार्टमेंट समय-समय पर डेटा का एनालिसिस करेगा। किसी भी व्यक्ति की विदेश यात्रा में संदिग्ध पैटर्न नजर आने पर तुरंत जांच शुरू की जा सकेगी।

1 अप्रैल से पूरी तरह लागू होगी- एयरलाइंस के लिए यात्रियों का यह डेटा कस्टम डिपार्टमेंट से साझा करना अनिवार्य बनाने का प्रस्ताव है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं कस्टम्स बोर्ड ने अभी विदेशी रूट वाली सभी एयरलाइंस को 10 जनवरी तक नए पोर्टल 'एनसीटीसी-पैक्स' पर रजिस्टर करने को कहा है।

भारत में सनातन, हिंदू के जिक्र से 'गुमराह' लोग चौंकाने वाली प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं: धनखड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने वेद और सनातनी ग्रंथों को समाज के प्रत्येक कोने तक पहुंचाने का आह्वान करते हुए शुक्रवार को कहा कि कुछ लोग विनाशकारी विचार प्रक्रिया को छिपाने के लिए धर्मनिरपेक्षता को एक ढाल के रूप में प्रयोग कर रहे हैं।

श्री धनखड़ ने यहां जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय में 27 वीं अंतर्राष्ट्रीय वेदांत कांग्रेस के उद्घाटन भाषण में कहा कि वेदांत की बुद्धिमत्ता को ऐतिहासिक बौद्धिक धरोहर से निकालकर कक्षा में लाने और समाज के हर कोने तक पहुंचाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वेद इतिहास नहीं है बल्कि मानव समाज के भविष्य के प्रारुप है। ये सतत विकास के लिए व्यावहारिक समाधान देते हैं।

वेदांत के ज्ञान की पहुंच बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देते हुए श्री धनखड़ ने कहा कि वेदांत अतीत का अवशेष नहीं है, बल्कि भविष्य के लिए एक ब्लूप्रिंट है। जैसे-जैसे हम अप्रत्याशित वैश्विक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, यह सतत विकास, नैतिक नवाचार और सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व के लिए व्यावहारिक समाधान प्रदान करता है।

श्री धनखड़ ने कहा, 'हम एक अत्यंत प्राचीन सभ्यता हैं जो कई दृष्टियों से अद्वितीय और अनुपम है। यह विडंबनापूर्ण और दुखद है कि इस देश में सनातन और हिंदू का संदर्भ, इन शब्दों के गहरे अर्थ को समझने के बजाय, अक्सर बेतुकी प्रतिक्रिया दी जाती है। ऐसे वे लोग हैं जो गलत रास्ते पर चल रहे हैं, जो एक खतरनाक पारिस्थितिकी तंत्र से प्रेरित हैं, जो न केवल इस समाज के लिए, बल्कि अपने लिए भी खतरा है।'

उप राष्ट्रपति ने कहा कि देश में कुछ लोग, इस आध्यात्मिक भूमि पर वेदांत और सनातनी ग्रंथों को प्रतिक्रियावादी मानते हैं और वे इसे बिना जाने, देखे और पढ़े खारिज कर रहे हैं। यह खारिज़ करना अक्सर विकृत उपनिवेशी मानसिकताओं, और बौद्धिक धरोहर की अपर्याप्त समझ से उत्पन्न होता है। उन्होंने कहा कि वे अपने विध्वंसक विचारों को धर्मनिरपेक्षता के विकृत रूप में छिपाते हैं। यह बहुत खतरनाक है। धर्मनिरपेक्षता को ऐसे कुकृत्यों को ढाल देने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। ऐसे तत्वों का पर्दाफाश करना हर भारतीय का कर्तव्य है।

वेदांत की समकालिक प्रासंगिकता पर श्री धनखड़ ने कहा कि जगह-जगह युद्ध, निरंतर बढ़ते तनाव और अशांति हर हिस्से में मौजूद है। न केवल मनुष्यों के बीच है बल्कि अन्य जीवों के बीच भी ऐसा ही रहा है। विश्व ऐसे संकट का सामना कर रहा है। जलवायु संकट, डिजिटल गलत सूचनाएं और संसाधनों का अत्यधिक दोहन अप्रत्याशित चुनौतियाँ हैं जिनके लिए तकनीकी समाधान के साथ-साथ नैतिक ज्ञान और व्यावहारिक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। वेदांत दर्शन की गहरी समझ इन चुनौतियों का समाधान संभव है।

उन्होंने कहा कि वेदांत केवल सवालों के जवाब नहीं देता बल्कि यह सवालों से परे जाता है। यह संदेहों को समाप्त करता है। यह जिज्ञासा की प्यास को शांत करता है। यह पूरी श्रद्धा और विश्वास के साथ-साथ चलाता है। वेदांत, समकालीन चुनौतियों का सामना करने में प्राचीन ज्ञान को आधुनिक दृष्टिकोण से जोड़ने का एक उत्प्रेरक बन सकता है।

सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमें अपनी दार्शनिक धरोहर से जागरूक रहना होगा क्योंकि दुनिया तेजी से आपस में जुड़ रही है। वेदांत दर्शन के अद्भुत और अद्वितीय मूल्य हमें समावेशिता की याद दिलाते हैं।

संकल्प के चलते 45 किलो रुद्राक्ष धारण किए हुए हैं गीतानंद गिरी महाराज

प्रयागराज। महाकुंभ 2025 में संगम तट पर गीतानंद गिरी जी महाराज की एक खास बात उन्हें श्रद्धालुओं में काफी लोकप्रिय बना रही है। गीतानंद गिरी महाराज ने अपने शरीर पर सवा दो लाख से ज्यादा रुद्राक्ष धारण कर रखे हैं। लाइव हिन्दुस्तान के साथ बातचीत में गीतानंद गिरी महाराज ने अपने इस खास संकल्प के बारे में बताया। आवाहन अखाड़ा हरियाणा शाखा के सचिव गीतानंद महाराज ने बताया कि 2019 में प्रयागराज में हुए कुंभ के दौरान उन्होंने एक अनूठा संकल्प लिया था। उनके संकल्प को छह साल ही हुए हैं और रुद्राक्ष की संख्या आज सवा दो लाख के ऊपर पहुंच चुकी है। गीतानंद महाराज बताते हैं कि इन रुद्राक्ष का वजन 45 किलोग्राम से अधिक है। अभी उनके संकल्प में छह साल और बाकी हैं। ऐसे में रुद्राक्ष का वजन और बढ़ेगा। क्या गीतानंद महाराज 24 घंटे इन रुद्राक्ष को धारण करते हैं? इस सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि ऐसा नहीं है। दिन में 12 घंटे तक वह इन रुद्राक्ष को धारण करते हैं। यानी सुबह पांच बचे रुद्राक्ष धारण करने के बाद उसे शाम पांच बजे उतार देते हैं। जब तक रुद्राक्ष शरीर पर रहता है तब तक वो बेहद हल्का भोजन ग्रहण करते हैं और तपस्या करते हैं।

पीएम मोदी के बयान पर केजरीवाल का पलटवार, कहा- आपदा दिल्ली में नहीं, भाजपा में आई

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आम आदमी पार्टी (आप) को दिल्ली की आपदा सरकार कहे जाने के बाद, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप नेता अरविंद केजरीवाल ने पलटवार किया और कहा, कि आपदा दिल्ली में नहीं, भाजपा में आई हुई है। भाजपा के पास न तो मुख्यमंत्री का चेहरा है और न ही कोई एजेंडा।

दिल्ली के पूर्व सीएम केजरीवाल ने कहा, कि प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली में रैली की और 43 मिनट के भाषण में एक भी काम नहीं गिना पाए। हम दिल्ली में किए गए अपने काम घंटों तक गिना सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा के पास केवल झूठे आरोप और बयानबाजी है, जबकि उनकी पार्टी ने जमीन पर काम किया है।

केजरीवाल ने राजधानी में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर केंद्र सरकार को घेरा। उन्होंने कहा, कि दिल्ली में कानून-व्यवस्था की आपदा है। गैंगस्टर खुलेआम गोलियां चला रहे हैं। व्यापारी डरे हुए हैं और सुरक्षा की मांग कर रहे हैं, लेकिन मोदी और शाह के कानों तक ये आवाजें नहीं पहुंच रही हैं। उन्होंने पीएम से अपील की कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को दिल्ली की सुरक्षा पर ध्यान देने के निर्देश दें। केजरीवाल ने कहा, कि सरकारें जोड़ने-तोड़ने की राजनीति से समय निकालकर दिल्ली की जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

आपदा नहीं यह आशीर्वाद...

मोदी के आपदा वाले बयान पर केजरीवाल ने पलटवार किया और कहा, कि जो काम हमारी सरकार कर रही है, उसे आपदा नहीं, आशीर्वाद कहते हैं। हमने दिल्ली के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और पानी के क्षेत्र में ऐतिहासिक काम किए हैं। दिल्ली के लोग इसे आपदा नहीं, विकास मानते हैं।

डॉ. कंभमपति ने ओडिशा के राज्यपाल पद की शपथ ली

भुवनेश्वर (एजेंसी)। डॉ. हरि बाबू कंभमपति ने शुक्रवार को राजभवन में आयोजित एक विशेष समारोह के दौरान ओडिशा के राज्यपाल के पद की शपथ ली। उड़ीसा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश चक्रधारी शरण सिंह ने डा़ कंभमपति को पद की शपथ दिलाई।

इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मोहन माझी, उनके मंत्रिपरिषद के सदस्य, विपक्ष के नेता नवीन पटनायक, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल, राज्य के मुख्य सचिव मनोज आहूजा, पुलिस महानिदेशक योगेश बहादुर खुरानी और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

डॉ. कंभमपति गुरुवार को भुवनेश्वर पहुंचे और अपने परिवार के साथ पुरी का दौरा कर श्री जगन्नाथ मंदिर में भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहनों की पूजा की और पुरी राजभवन में रात्रि विश्राम किया।

उन्होंने ओडिशा के 27वें राज्यपाल के रूप में शपथ लेने के बाद राजभवन में गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। उन्होंने आंध्र विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में बी.टेक, इलेक्ट्रिकल और कंट्रोल सिस्टम में एम.ई. और नियंत्रण प्रणाली में पीएच.डी. किया है। डॉ. कंभमपति ने 24 वर्षों तक आंध्र विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग कॉलेज में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में काम किया।

डॉ. कंभमपति का राजनीतिक करियर उनके छात्र वर्षों के दौरान शुरू हुआ जब उन्होंने आंध्र राज्य के निर्माण के समर्थन में जय आंध्र आंदोलन में एक छात्र नेता के रूप में भाग लिया। उन्होंने टेनेटी विश्वनाथम, गौथु लचन्ना और वेंकैया नायडू जैसे उल्लेखनीय नेताओं के साथ काम किया। उन्होंने 1972 से 1973 तक आंध्र विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग कॉलेज में छात्र संघ के सचिव के रूप में भी कार्य किया।

डा़ कंभमपति 1974 से 1975 तक आपातकाल के विरोध में जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में लोक संघर्ष समिति के आंदोलन में शामिल हुए। उन्हें आंतरिक सुरक्षा रखरखाव अधिनियम (एमआईएसए) के तहत गिरफ्तार किया गया और विशाखापत्तनम सेंट्रल जेल और मुशीराबाद जेल में छह महीने के लिए कैद किया गया।

वह 1977 में जनता पार्टी की आंध्र प्रदेश राज्य कार्यकारी समिति के सदस्य बने और 1978 में आंध्र प्रदेश राज्य जनता युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया। 1990 के दशक की शुरुआत में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन किया एवं आंध्र प्रदेश राज्य कार्यकारी समिति के सदस्य (1991-1993) और राज्य इकाई के महासचिव (1993-2003) के रूप में कार्य किया।

1999 में डॉ. कंभमपति विशाखापत्तनम-द्व विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने गए और 2003 में आंध्र प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी विधायक दल के नेता बने। मार्च 2014 में उन्हें अध्यक्ष के रूप में चुना गया। भाजपा राज्य इकाई और भाजपा उम्मीदवार के रूप में विशाखापत्तनम लोकसभा क्षेत्र से 2014 का आम चुनाव जीता। डॉ कंभमपति को 19 जुलाई 2021 को मिजोरम का राज्यपाल नियुक्त किया गया। बाद में 26 दिसंबर 2024 को उन्हें ओडिशा का राज्यपाल नियुक्त किया गया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी, पत्नी जागीर नहीं, उसका शरीर उसकी खुद की संपत्ति

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक मामले में सुनवाई कर कहा कि पत्नी जागीर नहीं है। पत्नी का शरीर उसकी खुद की संपत्ति है। उसकी गोपनीयता और उसके अधिकार अपने हैं। पति उनका मालिक नहीं है। पति विक्टोरियन युग की मानसिकता त्याग दें। अब दौर बदल चुका है। पत्नी की सहमति उसके व्यक्तिगत और अंतरंग जीवन के सभी पहलुओं में सर्वोपरि है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की एकल पीठ ने मिर्जापुर रहने वाले बृजेश यादव की ओर से जिला अदालत में लंबित आपराधिक कार्यवाही को चुनौती देने वाली याचिका पर दी है। कोर्ट ने कहा कि पति की भूमिका स्वामी या मालिक की नहीं बल्कि एक समान भागीदार की है, जो उसकी स्वायत्तता और व्यक्तित्व का सम्मान करने के लिए बाध्य है। इन अधिकारों को नियंत्रित करने या उनका उल्लंघन करने का प्रयास-चाहे जबरदस्ती, दुर्व्यवहार या अंतरंग विवरणों को बिना सहमति के साझा करने के माध्यम से हो वह विश्वास और वैधता का घोर उल्लंघन है। दरअसल अहरौरा निवासी बृजेश यादव की शादी रामपुर कोलना में हुई थी। बृजेश के खिलाफ नौ जुलाई 2023 को उनकी पत्नी ने मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप लगाया था कि उसके पति ने मुकदमेबाजी की रंजिश में उसके अंतरंग वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किए हैं। इससे उसकी प्रतिष्ठा को आघात पहुंचा है।

जल्द मिल सकती से ठंड से निजात, जनवरी से होने लगेगा गर्मी का एहसास

- मौसम विभाग ने 2025 के मौसम के अनुमान का अलर्ट किया जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कड़ाके की ठंड जारी रही है। ये ठंड 15 दिसंबर के बाद शुरू हुई, जो अभी तक जारी है। पूरे देश में ठंड के मात्र 15 दिन हुए हैं, लेकिन मौसम विभाग ने 2025 के मौसम अनुमान के विपरीत दिसंबर का आधा महीना ज्यादा गर्म रहा। अब फिर से मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग (आईएमडी) ने बताया कि जनवरी से गर्मी का एहसास शुरू हो जाएगा। पूर्वानुमान ने बताया कि जनवरी से मार्च तक महीना अपेक्षाकृत ज्यादा गर्म होगा। आईएमडी की पूर्वानुमान मानें तो 2024 के अधिकांश महीने 123 साल में सबसे ज्यादा गर्म रहे। साल के आखिरी के तीन महीने (अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर) काफी गर्म रहे। वहीं, अक्टूबर अकेले 123 साल का सबसे गर्म रहा।

मौसम विभाग ने जनवरी के लिए पूर्वानुमान लगाया है। मौसम विभाग के मुताबिक यूपी, राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात और बिहार के कुछ हिस्सों को छोड़कर भारत के अधिकांश हिस्सों में औसत न्यूनतम (रात) तापमान गर्म रहने की संभावना है। वहीं, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिमी राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात में तापमान सामान्य से कम तापमान रहने की संभावना है। मौसम विभाग की माने तो देश के अधिकांश हिस्सों में जनवरी से मार्च तक तापमान समान्य से गर्म रह सकता है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि इस साल जनवरी में सामान्य से ज्यादा बारिश होने की संभावना है। आईएमडी प्रमुख एम मोहपात्रा ने मौसम का पूर्वानुमान जारी किया है। उन्होंने बताया कि जनवरी में सेंट्रल इंडिया के पश्चिमी और उत्तरी हिस्सों में शीतलहर की संभावना जताई है। उन्होंने बताया कि यूपी में होने वाले महाकुंभ तक न्यूनतम तापमान समान्य से कम रहने की संभावना है, यानी ठंड पड़ने वाली है।

मौसम विभाग ने आने वाले तीन महीने के तापमान का जो अनुमान जारी किया है, उसके हिसाब से देश के आधिकांश हिस्सों में जनवरी, फरवरी और मार्च गर्म रहेगा। जनवरी का औसत तापमान, खासकर दिन का तापमान उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत और दक्षिण प्रायद्वीप के मध्य भागों को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक गर्म रहने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर पश्चिम हिस्सों में लगातार बने दो पश्चिमी विक्षोभ मैदानी भागों में जनवरी में बारिश तो पहाड़ों पर बर्फबारी होगी। वहीं, बारिश की वजह से उत्तर भारत में शीतलहर का अलर्ट है। मौसम विभाग ने बताया कि शीतलहर वाले दिनों की संख्या भी सामान्य से ज्यादा रहने की उम्मीद है। 2024 का अंत 2001 के बाद सबसे अधिक बारिश वाले दिसंबर के साथ हुआ है।

यूरोप का सबसे शक्तिशाली युद्धपोत पहुंचा भारत, चीन को समुद्र में दिया जाएगा जबाव

पणजी (एजेंसी)। यूरोप का सबसे शक्तिशाली युद्धपोत चार्ल्स डी गाले भारत पहुंचा है। परमाणु एयरक्राफ्ट कैरियर चार्ल्स डी गाले फ्रांसीसी नौसेना के कैरियर स्ट्राइक ग्रुप के साथ हिंद महासागर पहुंचा है। बात दें कि करीब 40 साल बाद फ्रांस ने हिंद प्रशांत क्षेत्र में अपना कैरियर स्ट्राइक ग्रुप भेजा है। यह फ्रांसीसी बेड़ा गोवा तट के पास भारतीय नौसेना के साथ वरुणा नौसैनिक अभ्यास में हिस्सा लेगा। इस नौसैनिक अभ्यास का मकसद इलाके में समुद्री सुरक्षा को मजबूत करना है। चार्ल्स डी गाले पर राफेल फाइटर जेट हमेशा तैनात रहते हैं और ये परमाणु हमला करने की ताकत रखते हैं। बताया जा रहा हैं कि फ्रांस ने चीन को कड़ा संदेश देने के लिए अपने कैरियर स्ट्राइक ग्रुप को इलाके में भेजा है। चीन लगातार हिंद प्रशांत क्षेत्र में दादागिरी दिखा रहा है।

फ्रांसीसी कैरियर स्ट्राइक ग्रुप फ्रांस की नौसेना के मिशन के तहत आया है ताकि हिंद प्रशांत क्षेत्र में देश के हितों की रक्षा की जा सके। साथ ही इलाके में यूरोपीय अभियानों में योगदान दिया जा सके। फ्रांसीसी नौसेना ने कहा कि कैरियर स्ट्राइक ग्रुप क्षेत्रीय भागीदारों और सहयोगियों खासकर भारत के साथ संयुक्त ट्रेनिंग को अंजाम दे रहे हैं। इस अभ्यास के दौरान दोनों देशों के युद्धपोतों पर एक-दूसरे के सैनिकों के काम करने का अभ्यास किया जाएगा। इस दौरान हवा, सतह और सबमरीन से होने वाले खतरे को निपटने का भी अभ्यास होगा।

भारत के बाद फ्रांसीसी युद्धपोतों का दल इंडोनेशिया के लिए रवाना होगा। फिर से वहां से दक्षिण चीन सागर होकर जापान भी जाएगा। पूरे इलाके में चीनी नौसेना दादागिरी दिखा रही है और पड़ोसी देशों को डरा रही है। फ्रांस ने कहा कि हिंद प्रशांत क्षेत्र में 15 लाख फ्रांसीसी नागरिक रहते हैं। फ्रांस ने अपने बयान में भारत को साल 1998 से ही सबसे करीबी रणनीतिक भागीदार करार दिया। भारत ने उस समय परमाणु परीक्षण किया था। भारत में अक्सर फ्रांसीसी युद्धपोत आते रहते हैं। दोनों देश हिंद महासागर में अवैध तस्करी, अवैध रूप से मछली पकड़ने के खिलाफ एक्शन और राहत तथा बचाव को अंजाम देते हैं। चांस डी गाले एयरक्राफ्ट कैरियर 42,500 टन का है और परमाणु ऊर्जा से चलता है। अमेरिका के बाद फ्रांस ही है, जिसका परमाणु एयरक्राफ्ट कैरियर भारत पहुंचा है। गाले राफेल फाइटर जेट से लैस है जिसे भारत भी अपनी नेवी के लिए खरीद रहा है।

2024 के आम चुनाव में बीजेपी ने पांच सीटें 50 फीसदी से ज्यादा वोट शेयर के अंतर से जीती

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2019 के मुकाबले भारतीय जनता पार्टी का प्रदर्शन 2024 के लोकसभा चुनावों में ज्यादा ठीक नहीं रहा, लेकिन बीजेपी ने 50 फीसदी से ज्यादा वोट शेयर के अंतर से पांच सीटें जीती हैं। वहीं 2019 के चुनाव में ये केवल तीन सीटें ही थी। चुनाव आयोग के डेटा से इसकी जानकारी सामने आई है। 2024 में किसी भी दूसरी पार्टी ने 50 फीसदी से ज्यादा वोट मार्जिन से कोई भी सीट नहीं जीती है। बीजेपी के जिन उम्मीदवारों ने 50 फीसदी से ज्यादा वोट शेयर से सीट जीती है। उसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और शंकर लालवानी और पूर्व सीएम बिप्लब देब का नाम शामिल हैं। त्रिपुरा पश्चिम को छोड़कर इन पांच सीटों में से चार को बीजेपी का गढ़ माना जाता है।

वहीं सबसे ज्यादा वोट शेयर से जीतने वाले प्रत्याशी इंदौर से सांसद लालवानी थे। उन्हें करीब 91.32 फीसदी वोट मिले और उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को 75 फीसदी वोट शेयर से हराया। मध्य प्रदेश की सीट के लिए मुकाबला इसलिए भी सबसे दिलचस्प था क्योंकि कांग्रेस प्रत्याशी ने वोटिंग से कुछ दिन पहले अपना नॉमिनेशन वापस ले लिया और बीजेपी का दामन थाम लिया। इस घटनाक्रम के बाद लालवानी को बाकी उम्मीदवारों से ज्यादा टफ फाइट नहीं मिली। बीजेपी के अन्य उम्मीदवार करीब 50 से 60 फीसदी वोट शेयर से जीते।

आजादी के बाद से अब तक हुए सभी लोकसभा चुनाव में केवल 198 सीटों पर जीत का अंतर 50 फीसदी से ज्यादा रहा है। सबसे ज्यादा वोट शेयर का अंतर 97.19 फीसदी है। इस साल 1989 में प्यारे लाल हांडू ने हासिल किया था। वे जम्मू-कश्मीर की अंनतनाग सीट से उम्मीदवार थे। कुल मिलाकर आजादी के बाद से केवल दो ही ऐसी सीटें हैं जो 90 फीसदी से ज्यादा वोट शेयर के अंतर से जीती गई हैं। छह सीटें 80 फीसदी और 90 फीसदी के बीच, 16 सीटें 70 फीसदी और 80 फीसदी के बीच; 45 सीटें 60 फीसदी और 70 फीसदी के बीच व 129 सीटें 50 फीसदी और 60 फीसदी के बीच जीती गई हैं।

वहीं राज्यवार विश्लेषण करने पर साफ होता हैं कि यूपी में सबसे अधिक 43 सीटें 50 फीसदी से ज्यादा वोट शेयर मार्जिन के साथ जीती गई हैं। महाराष्ट्र में यह संख्या 31 है, जिसमें छह सीटें उस समय की हैं जब इसे बॉम्बे के नाम से जाना जाता था, इसके बाद बिहार में 27 सीटें हैं। कांग्रेस ने सबसे ज्यादा 50 फीसदी से ज्यादा मार्जिन वाली 112 सीटें जीती हैं।

आपातकाल के बाद हुए चुनावों में कांग्रेस को सत्ता से बेदखल करने वाली जनता पार्टी (जेपी) 49 सीटों के साथ दूसरे नंबर पर है। 1977 के चुनाव में जेपी ने ऐसी सभी सीटें जीती थीं। इस लिस्ट में बीजेपी तीसरे नंबर पर है, जिसने 11 ऐसी सीटें जीती हैं।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश की चटगाँव अदालत का हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास को जमानत देने से इनकार

चटगाँव, एजेंसी। चटगाँव की एक अदालत ने आज कड़ी सुरक्षा के बीच हुई सुनवाई के दौरान पूर्व इस्कॉन नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को जमानत देने से इनकार कर दिया।हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास को 25 नवंबर को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था, तब से वह जेल में हैं। कोलकाता इस्कॉन के उपाध्यक्ष राधा रमन दास ने कहा, यह बहुत दुखद समाचार है। हम जानते हैं कि पूरी दुनिया इस पर नज़र रखे हुए थी। सभी को उम्मीद थी कि चिन्मय प्रभु को नए साल में आज़ादी मिलेगी – लेकिन 42 दिनों के बाद भी, आज सुनवाई में उनकी ज़मानत खारिज कर दी गई... बांग्लादेश सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उन्हें न्याय मिले। इससे पहले 11 दिसंबर को एक बांग्लादेश की एक अदालत ने दास की प्रारंभिक जमानत याचिका को प्रक्रिया में खामी के कारण खारिज कर दिया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, वैध पावर ऑफ अटॉर्नी और वकील की अनुपस्थिति के कारण याचिका खारिज की गई थी।

गाजा पर इस्राइली हमले में फलस्तीन के 12 लोगों की मौत

गाजा , एजेंसी। गाजा पट्टी पर इस्राइली हमले में बुधवार को 12 फलस्तीनी मारे गए हैं, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। हमला उत्तरी गाजा के जबालिया इलाके में एक घर पर हुआ, जो इस क्षेत्र का नष्ट हो चुका हिस्सा है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि हमले में 7 की मौत हुई और कम से कम एक दर्जन अन्य लोग जख्मी हुए हैं।

नेपाल में भारतीय संगठन के साथ बाल विवाह विरोधी मुहिम

ढाका, एजेंसी। नेपाल में बाल-विवाह अपराध समाप्ति के पीएम केपी शर्मा ओली के संकल्प के बीच इस हिमालयी देश से भारत के बाल अधिकार कार्यकर्ताओं, बच्चों व नागरिक संस्था के सदस्यों सहित 100 से अधिक लोगों ने 'बाल विवाह मुक्त नेपाल' मुहिम शुरू करने के लिए हाथ मिलाया है। भारतीय संगठन 'जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन' और नेपाल के 'बैकवर्ड सोसाइटी एजुकेशन' के सहयोग से इसे शुरू किया गया है।

ट्रंप ने कहा, जिमी कार्टर के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह अगले सप्ताह पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर के राजकीय अंतिम संस्कार में जाएंगे। उनका संस्कार 9 जनवरी को होना है। ट्रंप उनके धुर विरोधी रहे हैं।

यूएन में पाकिस्तानी कार्यकाल शुरू हुआ कराची में 29 घायल

कराची , एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के अस्थायी सदस्य के तौर पर पाकिस्तान का दो वर्ष का कार्यकाल एक जनवरी को नए साल से शुरू हो गया। इस मौके पर संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के दूत मुनीर अकरम ने खुशी जताई। इस बीच, कराची में नए साल पर की गई हवाई फायरिंग में 29 लोग घायल हो गए। नए साल का जश्न मनाते वक्त हुई घटनाओं में कई महिला और बच्चे भी प्रभावित हुए।

ट्रंप ने न्यू ऑर्लियंस आतंकी हमले को लेकर डेमोक्रेट्स को घेरा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यू ऑर्लियंस की आतंकी घटना की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने इसे शैतान का काम करार दिया। ट्रंप ने इस दुखद घटना के बाद अपने बयान के जरिए आप्रवासन और अपराध पर बहस को फिर से हवा दे दी। हमले में नए साल की पूर्व संध्या के जश्न के दौरान कम से कम 15 लोग मारे गए और 35 अन्य घायल हो गए। इसे लेकर ट्रंप ने डेमोक्रेट्स पर अमेरिका में आपराधिक घटनाओं और प्रवास के बारे में उनकी चेतावनियों को खारिज करने का आरोप लगाया। ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि जब मैंने कहा कि हमारे देश में आने वाले अपराधी हमारे देश में मौजूद अपराधियों से कहीं ज्यादा बुरे हैं, तो उसका डेमोक्रेट्स और फेक न्यूज मीडिया की ओर से लगातार खंडन किया गया, लेकिन यह सच निकला। हमारे देश में अपराध दर उस स्तर पर है, जिसे पहले कभी किसी ने नहीं देखा। हम सभी निर्दोष पीड़ितों और उनके प्रियजनों के साथ हैं, जिनमें न्यू ऑर्लियंस पुलिस विभाग के बहादुर अधिकारी भी शामिल हैं। ट्रंप प्रशासन न्यू ऑर्लियंस शहर का पूरा समर्थन करेगा, क्योंकि वे इस पूरी तरह से दुष्टता के कृत्य की जांच और उससे उबरने में लगे हैं!

ट्रंप के होटल के बाहर टेस्ला के साइबर ट्रक में धमाका, मस्क ने आतंकवादी घटना से जोड़े तार

लॉस वेगास, एजेंसी। अमेरिका के न्यू ऑरलियन्स में हुई दुखद घटना के बाद बुधवार को एक और हादसे की खबर सामने आई है। लॉस वेगास में ट्रंप के होटल के बाहर टेस्ला के एक साइबर ट्रक में जोरदार विस्फोट हुआ है। इस हादसे में कम से कम 1 शख्स की मौत हो गई है और 7 से ज्यादा लोग घायल हैं। वहीं टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने कहा है कि ट्रंप इंटरनेशनल होटल के बाहर साइबरट्रक विस्फोट और न्यू ऑरलियन्स में हुए के हमले के बीच कनेक्शन हो सकता है। मस्क ने यह भी कहा है कि टेस्ला के साइबर ट्रक में यह धमाका बाहर से रखे गए विस्फोटकों की वजह से हुआ है, अंदरूनी कारणों से नहीं।

मस्क ने न्यू ऑरलियन्स और इस घटना के बीच संबंध होने का अंदेशा इसीलिए जताया है कि क्योंकि दोनों ही गाड़ियां एक ही कार रेंटल साइट, टुरो से किराए पर लिए गए थे। मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, ऐसा लगता है कि यह आतंकवादी घटनाएं है। यह साइबरट्रक और न्यू ऑरलियन्स में एफ-150 आत्मघाती बम दोनों टुरो से किराए पर लिए गए थे। दोनों घटनाएं संभवतः जुड़ी हुई हैं। सीएनएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक न्यू ऑरलियन्स घटना के संदिग्ध ने भी टुरो नाम की साइट से किराए पर लिए गए फोर्ड एफ-150 लाइटनिंग इलेक्ट्रिक ट्रक से नए साल का जश्न मना रहे लोगों की भीड़ में टक्कर मार दी थी। टेस्ला के सीईओ मस्क ने एक और पोस्ट करते हुए यह स्पष्ट किया कि साइबर ट्रक में यह धमाका अंदरूनी कारणों से नहीं हुआ है। उनके मुताबिक यह धमाका बाहर से रखे गए विस्फोटकों की वजह से हुआ। मस्क ने ङ्ग पर लिखा, हमने पुष्टि कर ली है कि विस्फोट साइबरट्रक में रखे बम की वजह से हुआ था और यह गाड़ी से संबंधित नहीं है। इससे पहले लॉस वेगास के पुलिस अधिकारी केविन मैकमैहिल ने बताया कि सुबह 8:40 बजे होटल में एक गाड़ी में आग लगने की सूचना मिली थी। मैकमैहिल ने बताया, साइबरट्रक के अंदर एक व्यक्ति की मौत हुई है और यह नहीं पता चल पाया है कि वह पुरुष है या महिला। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक साइबरट्रक में विस्फोटक, गैस टैंक और कैंपिंग ईंधन मौजूद थे। अधिकारी विस्फोट और न्यू ऑरलियन्स में हुए हमले के बीच किसी भी संबंध की जांच कर रहे हैं। गौरतलब है कि बुधवार को न्यू ऑरलियन्स में एक संदिग्ध ने अपनी कार भीड़ में घुसा दी थी। इस हादसे में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई है। कार सवार की पहचान 42 शमशुद्दीन जब्बार के रूप में हुई है, जो पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया। स्नङ्खढ्ढ इसकी जांच आतंकवादी घटना के एंगल से कर रही है। वहीं इस मामले पर राष्ट्रपति बाइडेन का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा, हम लास वेगास में ट्रंप होटल के बाहर साइबरट्रक में हुए विस्फोट पर नजर रख रहे हैं। यह जांच की जा रही है कि क्या न्यू ऑरलियन्स में हुए हमले से इसका कोई संभावित संबंध है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि अमेरिकी लोगों को कोई खतरा न हो यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कोशिश की जा रही है।

यूरोपीय देश मोंटेनेग्रो के बार में फायरिंग, 10 की मौत

पॉडगोरिका, एजेंसी। यूरोपीय देश मोंटेनेग्रो में नए साल के मौके पर एक शख्स ने बार में फायरिंग कर अपने ही परिवार के सदस्यों समेत 10 लोगों की हत्या कर दी। मरने वालों में परिवार के अलावा बार के मालिक और उसके 2 बच्चे भी शामिल हैं। वहीं 4 लोग घायल भी हुए हैं। आरोपी हमलावर की पहचान 45 साल के आको मार्टिनोविक के रूप में हुई है, जो हमले के बाद मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए इलाके की सभी सड़कों को बंद कर दिया और उसकी तलाश में जुट गई। हालांकि बाद में पता चला कि आरोपी हमलावर ने आत्महत्या कर ली है।

पारिवारिक झड़प में हुई गोलीबारी : मार्टिनोविक बार में अपने मेहमानों के साथ मौजूद था। स्थानीय पुलिस के मुताबिक घटना की शुरुआत बार में झड़प से हुई। झड़प के बाद वह घर गया और वहां से हथियार लेकर आया। इसके बाद उसने शाम 5:30 बजे (स्थानीय समयानुसार) गोलीबारी शुरू कर दी। बार में हुई फायरिंग में उसने 4 लोगों को मार दिया था। इनमें बार मालिक और उसके 2 बच्चे मारे गए। इसके बाद उसने अन्य 3 जगहों पर जाकर फायरिंग की, जिसमें अन्य लोग मारे गए। न्यूज एजेंसी एएफपी के मुताबिक पुलिस ने झड़प के पीछे पारिवारिक संबंधों को वजह माना है।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय शोक घोषित किया : हमले के बाद सरकार ने गुरुवार से तीन दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। मोंटेनेग्रो के प्रधानमंत्री मिलोज्को स्पाजिक ने गोलीबारी को भयानक त्रासदी बताया है। हमले में घायल हुए लोगों की हालत भी गंभीर बनी हुई है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक हमलावर मार्टिनोविक का क्रिमिनल रिकॉर्ड रहा है।

पाकिस्तान में मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि, पैतृक गांव के ग्रामीणों ने परिजनों को आमंत्रित किया

इस्लामाबाद, एजेंसी। इस्लामाबाद से लगातार आतंकी गतिविधियों के कारण भारत-पाकिस्तान के रिश्ते तनावपूर्ण बने हुए हैं, लेकिन पाकिस्तान के एक छोटे से गांव गाह ने भारत के पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया है। यह मनमोहन सिंह का पैतृक स्थान भी है। यहां के लोगों ने पूर्व पीएम को श्रद्धांजलि देने के लिए विशेष कार्यक्रम किया था। उन्होंने बुधवार को मनमोहन सिंह के परिवार को गांव में आमंत्रित किया है और कहा, गांव की मिट्टी से जुड़ाव पर हमें गर्व है।

ग्रामीणों ने एक साधारण परवरिश से लेकर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रमुख बनने तक के उनके सफर का जश्न मनाया। एक ग्रामीण ने कहा, मुझे गर्व है कि मनमोहन सिंह मेरे पिता के सहपाठी थे। स्कूल में मनमोहन सिंह का नाम देखने से सम्मानित होता हूं। एक अन्य ग्रामीण ने मनमोहन सिंह के परिवार को उनके पैतृक गांव आने का निमंत्रण दिया। कहा, हम उनकी पत्नी और बेटियों को निमंत्रण देते हैं, यहां उनका वही घर और वैसा ही माहौल दिखाई देगा।

कौन है 15 लोगों को रौंदने वाला शमसुद्दीन जब्बार, कार में मिला आईएसआईएस का झंडा

न्यू ऑर्लियंस , एजेंसी। अमेरिका के न्यू ऑर्लियंस में हुए हमले में अब आतंकवादी एंगल से जांच की जा रही है। इस घटना में अमेरिका सेना में सेवाएं दे चुके एक शख्स शमसुद्दीन जब्बार का नाम सामने आ रहा है। फिलहाल, जब्बार के आंतकवादी संगठनों से तार जुड़े होने की भी जांच जारी है। एफबीआई यानी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन को आशंका है कि इस घटना के जिम्मेदार और लोग भी हो सकते हैं।

कौन है शमसुद्दीन जब्बार : एफबीआई ने कार सवार की पहचान 42 साल के शमसुद्दीन जब्बार के रूप में की है। कहा जा रहा है कि वह टेक्सास का रहने वाला था और रियल एस्टेट एजेंट था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जब्बार साल 2007 से लेकर 2015 के बीच जब्बार ने ह्यूमन रिसोर्स स्पेशलिस्ट और ढ्ढञ्ज स्पेशलिस्ट के तौर पर अमेरिकी सेना में सेवाएं दी थीं। इसके बाद वह 2020 तक सेना में रहा। फरवरी 2009 से लेकर जनवरी 2010 तक उसे अफगानिस्तान में नियुक्त किया गया था। खबर है कि वह स्टाफ सार्जेंट की रैंक से रिटायर हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जब्बार पर साल 2002 में चोरी और और 2005 में अवैध लाइसेंस का इस्तेमाल करने जैसे मामूली केस दर्ज हुए थे। उसकी दो बार शादी हो चुकी है और साल 2022 में दूसरी शादी से भी तलाक हो चुका है।

खबर है कि उसने पत्नी के वकील को भेजे एक ईमेल में आर्थिक परेशानियों का जिक्र किया था। कथित तौर पर उसने लिखा था कि वह घर का भुगतान नहीं कर पा रहा है। साथ ही जानकारी दी थी कि कंपनी को बीते साल 28 हजार डॉलर से ज्यादा का नुकसान हुआ था। घटना एफबीआई ने बताया कि बुधवार को शहर के व्यस्त फ्रेंच क्वार्टर में बॉर्बन स्ट्रीट पर तड़के लगभग 3.15 बजे हुए हमले के बाद पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में चालक मारा गया। जांचकर्ताओं को मुठभेड़ के बाद एक हैंडगन और एक एआर-शैली की राइफल बरामद हुई है। एफबीआई ने बताया कि वाहन में संभावित विस्फोटक उपकरण पाया गया तथा जांचकर्ता संभावित विस्फोटक उपकरणों की तलाश में फ्रेंच क्वार्टर की तलाशी ले रहे हैं। खबर है कि कार से आईएसआईएस का झंडा भी मिला है। इस घटना में जान गंवाने वालों की संख्या 15 तक पहुंच गई है।

इजरायल के पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने नेसेट से दिया इस्तीफा

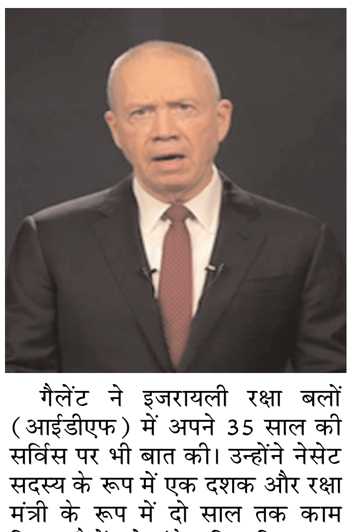

तेल अवीव , एजेंसी। इजरायल के पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने नेसेट से इस्तीफा देने की घोषणा कर दी है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्री पद से बर्खास्त किए जाने के दो महीने से भी कम समय बाद उन्होंने नेसेट से इस्तीफा दिया है। गैलेंट ने बुधवार शाम को इस्तीफा देने की घोषणा की। साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर करने के लिए प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार की आलोचना की। हालांकि, गैलेंट ने कहा कि वह नेतन्याहू की लिकुड पार्टी के सदस्य बने रहेंगे।

इजरायली मीडिया को दिए एक बयान में गैलेंट ने अपने राजनीतिक और सैन्य योगदान के लिए खुद को श्रेय दिया। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने आंशिक रूप से हमास हिजबुल्लाह और ईरान की सैन्य क्षमताओं को खत्म कर दिया था। टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व रक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले और जारी संघर्ष के दौरान इजरायल की कार्रवाई की जिम्मेदारी भी ली।

गैलेंट ने इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) में अपने 35 साल की सर्विस पर भी बात की। उन्होंने नेसेट सदस्य के रूप में एक दशक और रक्षा मंत्री के रूप में दो साल तक काम किया। गैलेंट ने संकेत दिया कि उनका राजनीतिक करियर खत्म नहीं हुआ है और पार्टी नेतृत्व के लिए चुनौती के रूप में एक संभावित वापसी का सुझाव दिया।

गैलेंट ने कहा, लिकुड आंदोलन के सदस्य के रूप में मैं आंदोलन के मार्ग के लिए लड़ता रहूंगा। मेरा रास्ता एक समान रास्ता है और मैं इसके सिद्धांतों में विश्वास करता हूं और इसके सदस्यों तथा मतदाताओं पर भरोसा करता हूं। जब से मैंने लिकुड पार्टी को पहली बार वोट दिया, मेनाकेम क्रांति में भागीदार रहा तब से मैं आंदोलन के राष्ट्रीय और वैचारिक मार्ग के प्रति वफादार रहा हूं। उन्होंने नेतन्याहू और वर्तमान रक्षा मंत्री इजरायल कैट्ज पर राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने का आरोप लगाया। गैलेंट ने तर्क दिया कि अति-रूढ़िवादी को भर्ती करना एक सैन्य आवश्यकता थी। गैलेंट ने सरकार के न्यायिक सुधार पर भी चिंता व्यक्त की, जिसे उन्होंने इजरायल के लिए स्पष्ट और तत्काल खतरा बताया। गैलेंट ने कहा कि उन्होंने 7 अक्टूबर के हमलों से पहले इस जोखिम के बारे में चेतावनी दी थी।

इसके अलावा उन्होंने गाजा में हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों की वापसी सुनिश्चित करने में विफल रहने के लिए सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा, जब तक उन्हें घर वापस नहीं लाया जाता, तब तक कोई जीत नहीं हो सकती। अपने भाषण के बाद गैलेंट ने नेसेट के अध्यक्ष अमीर ओहाना को अपना इस्तीफा सौंप दिया।

अमेरिका में फिर से हमला, 11 लोगों को मारी गोलियां; नए साल पर 15 का हुआ था कत्ल

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका में फिर से एक हमला हुआ है। यह हमला न्यूयॉर्क क्वीन्स इलाके में हुआ है, जिसमें 11 लोगों को गोली मारे जाने की खबर है। ये सभी लोग घायल हैं। यह हमला न्यू ऑरलिन्स में हुए अटैक के अगले ही दिन हुआ है, जिसमें शमसुद्दीन जब्बार नाम के शख्स ने नया साल मना रही लोगों की भीड़ पर ट्रक चढ़ा दिया था, जिसमें 15 लोग मारे गए थे। यह फायरिंग अमेरिकी समयानुसार रात को 11:45 पर हुई है। जानकारी के अनुसार क्वीन्स इलाके के अमाजुरा नाइट क्लब में यह फायरिंग हुई है, जिसमें 11 लोग जख्मी हुए हैं। कई लोगों की हालत गंभीर है। घटना की जानकारी मिलते ही न्यूयॉर्क पुलिस की टीमें मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया गया।

अब तक यह जानकारी नहीं मिल सकी है कि यह फायरिंग किसने की थी और उसका मकसद क्या था। यह फायरिंग ओरलिन्स में ट्रक हमले के ठीक बाद हुई है। इससे पहले ट्रक हमले में 15 लोगों की मौत हो चुकी है। पिक अप ट्रक के चालक शम्सुद्दीन ने नया साल मना रही लोगों की भीड़ पर हमला कर दिया था, जिसमें 15 लोग मारे गए। इसके अलावा बड़ी संख्या में लोग घायल हैं।अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई के अनुसार शमसुद्दीन जिस ट्रक को चला रहा था, उससे इस्लामिक स्टेट का झंडा बरामद हुआ है। यही नहीं शमसुद्दीन के कुछ वीडियोज के बारे में भी जानकारी मिली है, जिसमें उसने हत्याएं करने की बात कही थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार तीन लोगों की हालत गंभीर है और उन्हें अस्पताल पहुंचा दिया गया है। फिलहाल न्यूयॉर्क प्रशासन के ज्यादातर अधिकारी मौके पर हैं। इस घटना में दो संदिग्धों के शामिल होने की जानकारी अब तक मिली है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि कई राउंड फायरिंग की आवाजें 11:45 बजे सुनी गईं। इसके बाद हॉल में भगदड़ मच गई। वहां मौजूद लोगों जश्न में डूबे थे, इसके चलते उन्हें यह समझने में भी देर लगी कि आखिर क्या हुआ है। फिलहाल प्रशासन ने इलाके की घेराबंदी कर ली है और वहां से सभी लोगों को सुरक्षित निकालने पर फोकस है।

इस्राइल के बाद अब फलस्तीन में भी अल जजीरा के प्रसारण पर रोक

रामल्लाह, एजेंसी। एक चौंकाने वाले फैसले के तहत फलस्तीनी प्रशासन ने भी कतर के अल जजीरा मीडिया चैनल के प्रसारण पर रोक लगा दी। फलस्तीनी प्रशासन का कहना है कि अल जजीरा उकसावे वाली सामग्री का प्रसारण कर रहा था। फलस्तीन की सरकारी मीडिया एजेंसी ने एक बयान जारी कर कहा कि संस्कृति, आंतरिक और संचार मंत्रालयों वाली विशेष मंत्रिस्तरीय समिति ने अल जजीरा के प्रसारण को निलंबित करने और फलस्तीन में इसके कार्यालय की सभी गतिविधियों को रोकने का फैसला किया है।

फलस्तीनी प्रशासन ने अल जजीरा के प्रसारण पर लगाई रोक : फलस्तीनी मीडिया की रिपोर्ट में कहा गया है, इस फैसले में फलस्तीनी कानूनों और विनियमों के उल्लंघन के कारण अल जजीरा के सभी पत्रकारों, कर्मचारियों, क्रू और संबद्ध चैनलों के काम को अस्थायी रूप से रोकना भी शामिल है। फलस्तीनी प्रशासन ने कहा कि अल जजीरा द्वारा लगातार भड़काऊ सामग्री और गलत सूचनाएं प्रसारित की जा रही हैं। यह देशद्रोह और फलस्तीन के आंतरिक मामलों में दखल है। जिसके बाद प्रशासन ने चैनल के कामकाज को निलंबित करने का फैसला किया है। फलस्तीन के रामल्लाह स्थित अल जजीरा के नेटवर्क कार्यालय ने भी इस निलंबन की पुष्टि की है और कहा कि उन्हें इस संबंध में आदेश प्राप्त हुआ है।

हमास ने फैसले की आलोचना की : हमास ने एक बयान जारी कर अल जजीरा के प्रसारण पर रोक की आलोचना की है। हमास ने कहा कि यह फैसला फलस्तीनी प्राधिकरण की मनमानी को दर्शाता है और यह सार्वजनिक अधिकारों और स्वतंत्रताओं को कम करना और फलस्तीनी लोगों पर अपनी सुरक्षा पकड़ को मजबूत करने के चलते लिया गया है। हमास ने कहा कि हम फलस्तीनी प्राधिकरण से तुरंत इस फैसले को वापस लेने की मांग करते हैं। मीडिया कवरेज की निरंतरता जरूरी है और इससे कब्जे को उजागर करने में मदद मिलती है।

फलस्तीनी प्राधिकरण ने क्यों लगाई रोक : इस्राइल द्वारा अक्सर अल जजीरा चैनल पर पक्षपाती रिपोर्टिंग करने और उकसावे वाली सामग्री का प्रसारण करने का आरोप लगाया जाता है। यही वजह है कि इस्राइल में भी अल जजीरा पर रोक है, लेकिन अब फलस्तीनी प्राधिकरण द्वारा भी इस पर रोक लगाना चौंकाता है। दरअसल फलस्तीन के जेनिन इलाके में राष्ट्रपति महमूद अब्बास के फतह आंदोलन और हमास और अन्य आतंकी गुटों के बीच झड़पें जारी हैं। अल जजीरा द्वारा इन झड़पों का प्रसारण करने के चलते राष्ट्रपति अब्बास कथित तौर पर अल जजीरा से नाराज बताए जा रहे थे। अब्बास ने दिसंबर के अंत में चैनल की कड़ी निंदा की थी। गौरतलब है कि फलस्तीन के पश्चिमी तट क्षेत्र पर फलस्तीनी प्राधिकरण का नियंत्रण है, जबकि गाजा पर हमास का कब्जा था।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डुमस क्षेत्र में 2,500 करोड़ रुपये की भूमि से संबंधित एक बड़े जालसाजी मामले का खुलासा

स्थानीय पुलिस ने सिटी सर्वे के दो अधिकारियों, डेटा ऑपरेटर और समृद्धि कॉर्पोरेशन के साझेदारों के खिलाफ शिकायत दर्ज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के डुमस क्षेत्र में 2,500 करोड़ रुपये की भूमि से संबंधित एक बड़े जालसाजी मामले का खुलासा हुआ है। इसमें सिटी सर्वे के दो अधिकारियों और एक डेटा ऑपरेटर की मिलीभगत से 351 फर्जी प्रॉपर्टी कार्ड बनाए गए। इन फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से, समृद्धि कॉर्पोरेशन के साझेदारों ने अवैध रूप से प्लॉट बनाकर करोड़ों रुपये में बेच दिए। यह धोखाधड़ी तब सामने आई जब एक मूल भूमि मालिक ने अपनी ही जमीन बेचने की कोशिश की और फर्जी दस्तावेजों का पर्दाफाश हुआ। स्थानीय पुलिस ने सिटी सर्वे के दो अधिकारियों, डेटा ऑपरेटर और समृद्धि कॉर्पोरेशन के साझेदारों के खिलाफ शिकायत दर्ज की है और मामले की गहन जांच जारी है।

मूल मालिक को अपनी ही जमीन बेचने की कोशिश करते समय बड़ा खुलासा हुआ। सूरत के डुमस इलाके में किसानों की 2,500 करोड़ रुपये की जमीन पर फर्जी प्रॉपर्टी कार्ड बनाकर अवैध प्लॉट तैयार किए गए और करोड़ों रुपये में बेचे गए। इस धोखाधड़ी में चार नामी बिल्डरों का रैकेट शामिल पाया गया है।

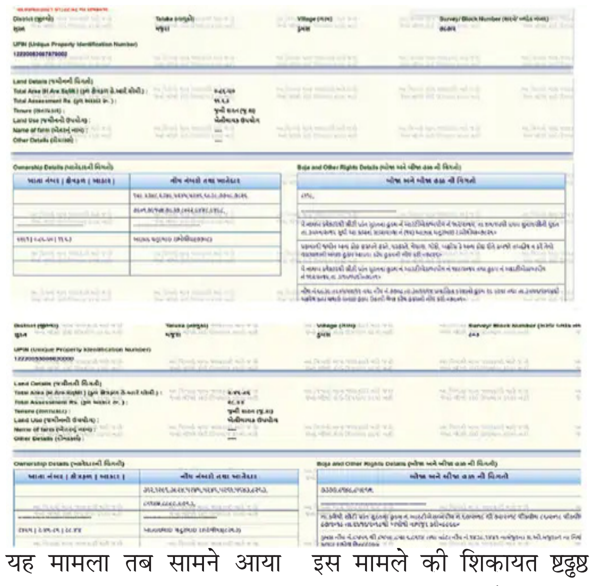

यह मामला तब सामने आया जब मूल भूमि मालिक ने जमीन बेचने की कोशिश की और फर्जी दस्तावेजों का भंडाफोड़ हुआ। पुलिस और प्रशासन ने इस मामले में जांच तेज कर दी है, और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

सूरत के डुमस, गवियर और वाटा क्षेत्रों में किसानों की जमीन पर फर्जीवाड़े का बड़ा मामला सामने आया है। समृद्धि कॉर्पोरेशन के चार नामी बिल्डरों ने सिटी सर्वे के तीन अधिकारियों की मिलीभगत से पुराने नियमों वाली जमीन को गैर-कृषि जमीन में बदल दिया। इसके बाद फर्जी प्रॉपर्टी कार्ड बनाकर करोड़ों की जमीन पर गलत मालिकाना हक स्थापित किया और च्ब्साइलेंट ज़ोनज्ज नाम से अवैध प्लॉटिंग स्कीम शुरू की।

इस मामले की शिकायत ष्ट्ढ्ढष्ठ क्राइम में दर्ज की गई है। बिल्डरों ने कुल 351 फर्जी प्रॉपर्टी कार्ड बनाए थे। मूल भूमि मालिक, आज़ाद रामोलिया ने 2022 में इस धोखाधड़ी की शिकायत की थी, लेकिन यह मामला 2025 में दर्ज किया गया। शिकायत में तीन अधिकारियों के नाम हैं, जबकि बिल्डरों के नाम के बजाय उनकी कंपनी, समृद्धि कॉर्पोरेशन का उल्लेख किया गया है।

2022 में, एक जमीन दलाल, आज़ाद रामोलिया की जमीन का फर्जी प्रॉपर्टी कार्ड लेकर उसे ही बेचने की कोशिश कर रहा था, तब इस फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ।

डुमस के ब्लॉक नंबर 815, 801/2, 803, 804, 823, 787/2 और वाटा के ब्लॉक नंबर 61 वाली जमीनों के 7/12 रिकॉर्ड में 2016 और 2017 में आज़ाद रामोलिया और ज्योत्सना रामोलिया के नाम दर्ज थे, जो अब भी जारी हैं। आज़ाद रामोलिया ने यह जमीन 28 अक्टूबर 2016 से 15 जुलाई 2017 के बीच मगदल्ला के किसान रसिकभाई से खरीदी थी।

फर्जी प्रॉपर्टी कार्ड बनाने के मामले में मिलीभगत के तीनों चरण उजागर हुए हैं। नियम के अनुसार, प्रॉपर्टी कार्ड के लिए सरकारी सॉफ्टवेयर के च्ब्बिनखेतरी मॉड्यूलज्ज में जमीन को गैर-कृषि घोषित करने का आदेश और स्वीकृत प्लान अपलोड करना अनिवार्य है। प्रॉपर्टी कार्ड तैयार करने और उसे सत्यापित करने के लिए तीन चरण निर्धारित किए गए हैं:

1.डाटा एंट्री
2.सत्यापन (वेरिफिकेशन)
3.प्रमाणन (प्रमोलगेशन)

गैर-कृषि जमीन पर प्रॉपर्टी कार्ड तैयार करने के दौरान संबंधित सर्वे नंबर को प्रमाणित करने के लिए नोटिस ष्ठद्बस्क्र और सिटी सर्वे सुपरिंटेंडेंट द्वारा प्रकाशित की जानी चाहिए। कार्ड तैयार होने के बाद, राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार गांव के नमूने से इसे जनरेट किया जाना बंद हो जाता है। हालांकि, डुमस और वाटा की जमीनों में यह प्रक्रिया नहीं अपनाई गई।

7/12 रिकॉर्ड में भी असली मालिकों के नाम अब तक दर्ज हैं।

प्रॉपर्टी कार्ड तैयार करने के तीनों चरणों में मिलीभगत सामने आई है।

सस्रस्र समृद्धि कॉर्पोरेशन के 4 साझेदारों पर आरोप

इस मामले में आज़ाद रामोलिया द्वारा दायर शिकायत में समृद्धि कॉर्पोरेशन के साझेदार नरेश शाह, मनहर काकड़िया, जयप्रकाश खानचंद आसवानी और लोकेनाथ गंभीर पर फर्जी प्रॉपर्टी कार्ड बनाने का आरोप लगाया गया। ष्ट्ढ्ढष्ठ ने 8 महीने की जांच के बाद समृद्धि के साझेदारों के खिलाफ अपराध दर्ज किया।

-नरेश शाह से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की।

-मनहर काकड़िया के कर्मचारी नरेंद्र ने फोन रिसीव कर संपर्क कराने की बात कही, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।

2022 में शिकायत, 2025 में दर्ज हुई FIR

यह मामला 2022 में दर्ज पहली शिकायत के बाद 2025 में अपराध के रूप में दर्ज हुआ। उस समय राजस्व मंत्री, भूमि नियंत्रक (DILR अहमदाबाद), कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर, मामलतदार, मजुरा सर्कल ऑफिसर, तलाठी, सिटी सर्वे सुपरिंटेंडेंट, म्यूनिसिपल कमिश्नर और असिस्टेंट म्यूनिसिपल कमिश्नर को भी शिकायत भेजी गई थी।

डिंडोली में दो महिलाओं समेत 6नकली डॉक्टरों को गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

डिंडोली में दो महिलाओं समेत 6 नकली डॉक्टरों को गिरफ्तार किया गया है। ये नकली डॉक्टर बिना किसी प्रमाणपत्र के मेडिकल प्रैक्टिस कर रहे थे। पुलिस ने इन डॉक्टरों को गिरफ्तार करके जांच शुरू कर दी है। इन डॉक्टरों पर मरीजों को झूठे उपचार देने का आरोप है, और पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि ये लोग कितने समय से यह गैरकानूनी काम कर रहे थे।

डिंडोली में पुलिस ने सरप्राइज चेकिंग के दौरान 6 नकली डॉक्टरों को पकड़ लिया है। इन नकली डॉक्टरों से 56 हजार रुपये की दवाइयाँ भी बरामद की गई हैं।

नकली डॉक्टरों में राजेश रामकृष्ण महाजन (49) शामिल हैं, जो BEMS डिग्री धारक हैं और 3 साल से प्रैक्टिस कर रहे थे, जबकि वह 12वीं कक्षा तक पढ़े हुए हैं। वह डिंडोली प्रियंका टाउनशिप में "गुरुकृपा" नामक क्लिनिक चलाते थे।

इसी तरह महेश विठ्ठल राजपूत (47) भी BEMS डिग्री धारक हैं और 2 साल से प्रैक्टिस कर रहे थे। वह 12वीं सायंस के छात्र रहे हैं और नवागाम अंबिकानगर में "माया क्लिनिक" चलाते थे।

महिला नकली डॉक्टर आरती सत्यप्रकाश मौर्या (30) भी BEMS डिग्री धारक हैं और 3 महीने से "आशी क्लिनिक" नवागाम रामदेवनगर में चलाती थीं। उन्होंने B.Sc. तक की पढ़ाई की थी और ममता अस्पताल में नर्स के रूप में काम करती थीं।

बुद्धदेव कुमार शिवनंदन चौहान (21) के पास RMP डिग्री है और वह नवागाम में "बिहार क्लिनिक" चला रहे थे, साथ ही B. Pharmacy भी कर चुके हैं।

महिला मनोर्मा अमरदेव पाल (28) के पास DCMS डिग्री है और वह नवागाम में "आभी क्लिनिक" चला रही थीं, साथ ही उन्होंने अंग्रेजी में B.A. किया था।

शरद नारायण पटेल (52) के पास BEMS डिग्री थी और वह एक साल से प्रैक्टिस कर रहे थे, साथ ही वह 12वीं में फेल हैं और "श्री दत्त क्लिनिक" नवागाम गंगानगर में चलाते थे। पुलिस ने इन सभी नकली डॉक्टरों को गिरफ्तार कर लिया और जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने 60 हजार रुपये की दवाइयाँ जब्त की हैं। यह दवाइयाँ नकली डॉक्टरों द्वारा अवैध रूप से मरीजों को दी जा रही थीं। पुलिस ने दवाइयों को जब्त कर लिया है और मामले की आगे की जांच शुरू कर दी है।

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय सुरक्षा के गंभीर उल्लंघन ने विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली और प्रशासन पर सवाल खड़े

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

होस्टल में रात के समय केवल चार सुरक्षा कर्मी ड्यूटी पर होते हैं, और रजिस्टर भी सही से मेंटेन नहीं किया जाता। पुलिस ने इस संबंध में पत्र लिखकर सीसीटीवी फुटेज की मांग की है।

सुरक्षा व्यवस्था में इस तरह की लापरवाही गंभीर चिंता का विषय है। रात के समय पर्याप्त सुरक्षा कर्मियों की उपस्थिति और रजिस्टर का सही मेंटेनेंस आवश्यक है ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। पुलिस द्वारा सीसीटीवी फुटेज की मांग करना जांच प्रक्रिया का हिस्सा है, जिससे घटना की सटीक जानकारी प्राप्त की जा सके और जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जा सके।

सुरक्षा अधिकारियों को चाहिए कि वे अपने कर्तव्यों का पालन पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ करें, ताकि इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और परिसर की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय विवादों का पर्याय बनता जा रहा है। शराब कांड के बाद यह खुलासा हुआ है कि होस्टल में दिन के समय सुरक्षा का कोई भी कर्मचारी मौजूद नहीं रहता। पूरे विश्वविद्यालय परिसर में केवल 50 सुरक्षा कर्मी हैं।

होस्टल में बाहरी लोगों की आवाजाही के रिकॉर्ड के लिए कोई रजिस्टर भी मेंटेन नहीं किया जा रहा है। इस लापरवाही के चलते विश्वविद्यालय के मुख्य सुरक्षा अधिकारी मेहुल मोदी भी संदेह के घेरे में आ गए हैं। इस मामले की जांच विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा की जा रही है।

सुरक्षा के इस तरह के गंभीर उल्लंघन ने विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली और प्रशासन पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद बॉयज होस्टल में शराब पार्टी करते हुए एक छात्र को गिरफ्तार किया गया, जबकि तीन अन्य छात्र फरार हो गए। इनमें से एक छात्र बाहर से आया हुआ था।

होस्टल में अक्सर बाहरी छात्र रुकते हैं, लेकिन इस बारे में सुरक्षा कर्मियों को कोई जानकारी नहीं होती। यह सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर लापरवाही को दर्शाता है और विश्वविद्यालय प्रशासन के प्रति सवाल खड़े करता है।

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय के मुख्य सुरक्षा अधिकारी मेहुल मोदी की संदिग्ध भूमिका को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जांच की जा रही है। इस बीच, मेहुल मोदी ने कहा है कि इतने बड़े कैंपस में केवल 50 सुरक्षा कर्मी हैं, जो तीन शिफ्टों में काम करते हैं।

उन्होंने यह भी खुलासा किया कि विश्वविद्यालय के चार होस्टल में रात के समय केवल चार सुरक्षा कर्मी ड्यूटी पर रहते हैं, जबकि दिन में एक भी सुरक्षा कर्मी मौजूद नहीं होता। ऐसा इसलिए है क्योंकि विश्वविद्यालय ने होस्टल के लिए किसी भी सुरक्षा कर्मी की नियुक्ति नहीं की है।

इस स्थिति ने सुरक्षा प्रबंधन की खामियों को उजागर किया है, जो छात्रों की सुरक्षा और अनुशासन के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार रमेशभाई गढवी ने दावा किया कि शराब पार्टी के बारे में उन्हें सुरक्षा कर्मियों द्वारा सूचना दी गई थी। दूसरी ओर, मुख्य सुरक्षा अधिकारी मेहुल मोदी ने इस बारे में किसी भी प्रकार की जानकारी न होने का दावा किया।

मेहुल मोदी ने कहा, च्मुझे रजिस्ट्रार का कॉल आया और उसके बाद मैं होस्टल पहुंचा। वहां मेरी जानकारी में केवल दो छात्र थे। इतनी बड़ी यूनिवर्सिटी में अगर बाहर से लोग आते हैं, तो हम कैसे चेकिंग करें? होस्टल में रात के समय ही सुरक्षा कर्मी तैनात रहते हैं, दिन के समय कोई फाल्ट नहीं होता। हम केवल आईकार्ड देखकर ही प्रवेश देते हैं। अगर दिन के समय कोई बाहरी व्यक्ति आता है, तो हम क्या करें?"

यह बयान विश्वविद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था में बड़ी खामियों को उजागर करता है और बाहरी व्यक्तियों की होस्टल में अनियंत्रित आवाजाही पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

इस पूरे मामले की जांच वेसु पुलिस द्वारा की जा रही है। वेसु पुलिस ने विश्वविद्यालय को पत्र लिखकर यह बताया है कि जो CCTV फुटेज पुलिस को अब तक प्राप्त हुआ है, वह पर्याप्त नहीं है। इसके आधार पर अन्य छात्रों पर कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती। इसलिए, पुलिस ने विश्वविद्यालय से अतिरिक्त CCTV फुटेज और वीडियो प्रदान करने का अनुरोध किया है, ताकि मामले की सही जांच की जा सके और उचित कार्रवाई की जा सके।

GPCB ने AM/NS ब्लास्ट की घटना के बाद 1 करोड़ रुपये का जुर्माना

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

GPCB (गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड) ने AM/NS ब्लास्ट की घटना के बाद 1 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना पर्यावरण मानकों का उल्लंघन करने और प्रदूषण फैलाने के कारण लगाया गया है। घटना के बाद, प्रांत अधिकारी द्वारा इस मामले की जांच शुरू कर दी गई है। इस ब्लास्ट के परिणामस्वरूप आसपास के इलाके में प्रदूषण बढ़ गया था, और अब अधिकारियों द्वारा उचित कार्रवाई की जा रही है।

31 दिसंबर की शाम को कोरेक्स प्लांट-2 में हुए हादसे में 4 मजदूर जलकर मर गए थे। यह हादसा प्लांट में अचानक हुए ब्लास्ट के कारण हुआ। इस हादसे में मृतक मजदूरों की पहचान की जा रही है और मामले की जांच जारी है। यह घटना उस समय हुई जब प्लांट में काम चल रहा था, और अब संबंधित विभाग हादसे की वजहों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।

घटना के समय स्थल पर मौजूद कर्मचारियों के बयान लिए गए हैं। इन बयानों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है, ताकि यह पता चल सके कि हादसा कैसे हुआ और इसके लिए कौन जिम्मेदार है। कर्मचारियों से मिली जानकारी से अधिकारियों को घटना की परिस्थितियों को समझने में मदद मिल रही है, और जांच में यह बिंदु अहम हो सकते हैं।

हजिरा स्थित AMNS कंपनी में 31 दिसंबर 2024 को हुए भीषण विस्फोट की घटना की जांच अब तेज हो गई है। इस घटना में चार कर्मचारियों की जलकर मौत हो गई थी। जीपीसीबी (गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड) ने पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के कारण कंपनी पर 1 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है।

घटना की जांच के लिए सुरत कलेक्टर डॉ. सौम्या पारघी ने ओलपाड प्रांत अधिकारी पार्थ तसानीया को जांच का आदेश दिया था। शुक्रवार सुबह ओलपाड प्रांत अधिकारी, चौरासी मामलतदार, जीपीसीबी और इंडस्ट्रियल सेफ्टी एंड हेल्थ टीम ने कंपनी पहुंचकर जांच शुरू की। उन्होंने कर्मचारियों की जानकारी ली और उपस्थिति रजिस्टर जब्त किया।

घटना के दौरान मौजूद कर्मचारियों के बयान भी लिए गए और घटना की पूरी जानकारी एकत्र की गई। इसके अलावा, संरचना की स्थिरता संबंधी जानकारी भी हासिल की गई। जांच रिपोर्ट दो दिनों में जिला कलेक्टर को प्रस्तुत की जाएगी। जीपीसीबी द्वारा कंपनी को क्लोजर नोटिस जारी किया गया है और पर्यावरण को हुए नुकसान के लिए 1 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

उद्योग सुरक्षा और स्वास्थ्य विभाग (DISH) के संयुक्त निदेशक आर.ए. पटेल ने इस घटना के बारे में बताया कि जब यह दुर्घटना हुई थी, तो प्लांट में तापमान और लिक्विड केमिकल फ्लो के डेटा एकत्र किए जाएंगे। इसके अलावा, प्लांट द्वारा शुरू किए जाने वाले मानक संचालन प्रक्रियाओं (SOPs) की भी मांग की जाएगी, जिससे इस घटना के कारणों की अधिक स्पष्टता प्राप्त की जा सकेगी।

हजीरा स्थित AM/NS इंडिया कंपनी में हुई दुर्घटना में, कंपनी ने औद्योगिक इतिहास में पहली बार प्रभावित परिवारों को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की है। इसके अलावा, एक सदस्य को नौकरी देने की घोषणा भी की गई है। उल्लेखनीय है कि AM/NS इंडिया ने 5 साल पहले वित्तीय रूप से कमजोर कंपनी को अधिग्रहित किया था, जो बंद होने के कगार पर थी, और उसे पुनर्जीवित किया। हजीरा में 60 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है, और इसके साथ ही कंपनी ने इस क्षेत्र के लोगों के लिए विभिन्न विकास योजनाएं भी लागू की हैं।

"जंगल कैसिनो" थीम पर पिकनिक का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल महिला मैत्री संघ द्वारा पिकनिक का आयोजन शुक्रवार को डुमस स्थित गंगा फ़ार्म हाउस में किया गया। संघ की अध्यक्ष सविता सिंघानियाँ एवं सचिव वीणा बंसल ने बताया की पिकनिक का आयोजन "जंगल कैसिनो" थीम पर किया गया। आयोजन में दो सौ से अधिक सदस्यों ने हिस्सा लिया। आयोजन में सभी में विभिन्न प्रकार के गेम खेलें एवं खाने का लुफ्त उठाया। इस दौरान लाइव गिटार बैंड की प्रस्तुति भी हुई। आयोजन में संघ की पदमा तुलस्यान, सुमन अग्रवाल, सोनल मित्तल, ज्योति पंसारी एवं बिंदु अग्रवाल सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं।